

बातों
मन की बात

उपाध्याय गुप्तिसागर मुनि

नाम और पहचान भले ही छोटी हो, मगर खुद की होनी चाहिए।

दैनिक

खबरों की विश्वसनीयता, हमारी पहचान

अर्थ प्रकाश

पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • चंडीगढ़ • दिल्ली • उत्तराखंड • बिहार • उत्तरप्रदेश • राजस्थान • छत्तीसगढ़ से प्रसारित

वर्ष 40

चंडीगढ़, मंगलवार, 16 सितंबर, 2025

अश्विन कृष्ण पक्ष : दशमी विक्रमी संवत-2082

www.arthparkash.com

YouTube/Arth Parkash TV

अंक : 256 | मूल्य 2.00 रुपये

पृष्ठ: 12

Next-Gen GST

Better & Simpler

“ अब मेरी खेती होगी और सस्ती ”

GST बचत

समृद्ध किसान, खेती आसान

- अब ट्रैक्टर पर ₹40,000 से ज्यादा बचत
- अब कन्वाइन हार्वेस्टर थ्रेशर पर ₹1.25 लाख तक की बचत
- पावर टिलर पर ₹10,000 तक की बचत
- गल्टी-क्रॉप थ्रेशर पर ₹25,000 तक की बचत

भारत सरकार

न्यूज़ ब्रीफ

बिहार में किसानों की जमीन लुटवा रही है भाजपा सरकार: कांग्रेस नई दिल्ली (अप्रस)। कांग्रेस कहा है कि मोदी सरकार अपने नजदीकी उद्योगपति पर बिहार में भी मेहरबान हो रही है और वहां ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए किसानों की जमीन लुटकर गौतम अडानी को दी जा रही है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बिहार में भागलपुर के पीरपैटी में किसानों की जमीन की लुट मची है और वहां स्थापित होने वाले ऊर्जा संयंत्र के लिए बहुत कम दरो पर किसानों की जमीन खरीदी जा रही है। उनका यह भी आरोप था कि वहां किसानों से डरा धमकाकर कम दाम पर जमीन खरीदी जा रही है। खेड़ा ने कहा कि 10 लाख पेड़, 1,050 एकड़ जमीन ‘राष्ट्र सेठ’ गौतम अडानी को पावर प्लांट लगाने के लिए एक रुपए प्रतिवर्ष पर 33 साल के लिए दे दी गई। जब आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार जा रहे हैं, तब वहां के ग्रामीणों को नजरबंद कर लिया गया, ताकि वे घरना न दे सकें। श्री बिहार से जाते-जाते अपने दोस्त अडानी को 1,050 एकड़ जमीन देने जा रहे हैं। ये 2,400 मेगावॉट का प्रोजेक्ट है, जिसका बजट 21,400 करोड़ रुपए है। इसकी घोषणा बजट में भी हुई थी। हालांकि उस वक्त सरकार ने कहा था कि वो खुद ये प्लांट लगाएंगी लेकिन बाद में सरकार ने हाथ खड़े कर दिए और ये प्रोजेक्ट गौतम अडानी को दे दिया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा की स्थिति बिहार में बहुत खराब है। उन्हें डर है कि अगले चुनाव में जीत नहीं होगी इसलिए सुनिश्चित हार को देखते हुए चुनाव से पहले अपने मित्र का ऊर्जा संयंत्र स्थापित करवा रहे हैं। उनका कहना था कि महाराष्ट्र में जब चुनाव हुए तो उससे पहले पावर प्लांट का प्रोजेक्ट और धारवी गौतम अडानी को दे दिया था।



दौरा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने किया पंजाब के बाद प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

पंजाब में राहुल गांधी ने रोता बच्चा चुप कराया, बाढ़ पीड़ितों से मिले

बोले-मुआवजा जल्द दे सरकार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

अमृतसर/गुरदासपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को पंजाब का दौरा किया। उन्होंने अमृतसर और गुरदासपुर में अलग-अलग स्थानों पर बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की। राहुल पंजाब में लगभग साढ़े 6 घंटे रहे। अमृतसर के घोनेवाल गांव में बाढ़ से हुए नुकसान के बारे में बताते हुए एक बच्चा रो पड़ा, जिसे राहुल गांधी ने गोद में उठकर चुप कराया। इसके बाद राहुल गांधी ने गुरदासपुर में भी प्रभावित क्षेत्रों का ट्रेक्टर से दौरा किया। सुरक्षा कारणों के चलते वह पाक बॉर्डर से सटे गांवों में नहीं जा सके। अपने दौर के दौरान उन्होंने मीडिया से कोई बात नहीं की। शाम 4 बजे वह पठनकोट से दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

दौर के बाद राहुल गांधी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि बाढ़ ने पंजाब में भारी तबाही मचाई है। आज घोनेवाल में ग्रामीणों से मिला - उजड़े

बिहार में एसआईआर के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई, सुप्रीम कोर्ट बोला-

गड़बड़ी मिली तो पूरी प्रक्रिया रद्द कर दी जाएगी, अंतिम फैसला पूरे देश पर लागू होगा

सात अक्टूबर को अगली सुनवाई

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को बिहार में एसआईआर (वोटर वेरिफिकेशन) के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई। इस दौरान याचिकाकर्ताओं की तरफ से कहा गया कि चुनाव आयोग प्रक्रिया का पालन नहीं कर रहा है। नियमों की अनदेखी हो रही है। इस पर कोर्ट ने कहा कि हम यह मानकर चलेंगे कि चुनाव आयोग अपनी जिम्मेदारियों को जानता है। अगर कोई गड़बड़ी हो रही है, तो हम इसको देखेंगे। अगर बिहार में एसआईआर के दौरान चुनाव आयोग द्वारा अपनाई गई कार्यप्रणाली में कोई अवैधता पाई जाती है, तो पूरी प्रक्रिया को रद्द किया जा सकता है। जस्टिस सूर्यकांत शर्मा और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने स्पष्ट किया कि वह बिहार एसआईटार पर टुकड़ों में राय नहीं दे सकता। उसका अंतिम फैसला केवल बिहार में ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में एसआईआर पर लागू होगा। मामले पर 7



अक्टूबर को अगली सुनवाई होगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया के खिलाफ मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि वह यह मानकर चल रही है कि एक संवैधानिक प्राधिकारी होने के नाते चुनाव आयोग ने एसआईआर के संचालन में कानून और अनिवार्य नियमों का पालन किया है। इसके अलावा शीर्ष अदालत ने इस मुद्दे पर कोई भी विस्तृत राय देने से इनकार कर दिया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि

देश भर में प्रक्रिया करने से नहीं रोक सकते

पीठ ने स्पष्ट किया कि वह चुनाव आयोग को देश भर में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए इसी तरह की प्रक्रिया करने से नहीं रोक सकती। हालांकि, पीठ ने बिहार एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ याचिकाकर्ताओं को 7 अक्टूबर को अखिल भारतीय एसआईआर पर भी बहस करने की अनुमति दे दी।

एक अन्य याचिका पर नोटिस

इस बीच शीर्ष अदालत ने 8 सितंबर के उस आदेश को वापस लेने की मांग वाली एक याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें चुनाव आयोग को बिहार एसआईआर में आधार कार्ड को 12वें निर्धारित दस्तावेज के रूप में शामिल करने का निर्देश दिया गया था। 8 सितंबर को सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि आधार नामरिकता का प्रमाण नहीं होगा और निर्वाचन आयोग मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए मतदाता की ओर से प्रस्तुत किए जाने पर इसकी वास्तविकता का पता लगा सकता है।

उसके अंतिम फैसले का एसआईआर प्रक्रिया पर अखिल भारतीय प्रभाव पड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने समालख्या के साधना एवं ग्राम विकास केंद्र में लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में की शिरकत

एमएसएमई से ही आत्मनिर्भर अभियान को मिलेगी गति : सैनी

युवा उद्यमी ही लिख सकते हैं ‘विकसित भारत विकसित हरियाणा’ की कहानी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

समालखा। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे राष्ट्रीय अभियानों की सफलता में लघु उद्योगों की भूमिका सर्वोपरि है। 21वीं सदी का भारत जिस ऊर्चाई और गति से आगे बढ़ रहा है, उसमें एमएसएमई का महत्वपूर्ण योगदान है। हरियाणा सरकार लघु उद्योगों के विकास के लिए विशेष योजनाएं और प्रोत्साहन नीतियां लागू कर रही है, ताकि उद्यमियों को अधिक से अधिक अवसर मिल सकें और वे बाजार प्रतिस्पर्धा में मजबूती से खड़े हो सकें। यह बातें सीएम नायब सिंह सैनी ने जिला पानीपत के समालखा में आयोजित लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय अधिवेशन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि समालखा में लघु उद्योग भारती के तीन दिवसीय औद्योगिक चिंतन से लघु उद्योगों के विकास की नई दिशा मिल सकेगी। ऐसे कार्यक्रमों के



रोजगार उपलब्ध करवाने में लघु उद्योगों की बड़ी भूमिका : मनोहर लाल केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी विकास मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि देश के विकास में उद्योगों का बड़ा योगदान है। लघु उद्योगों को सरकारी सहायता से गति प्रदान कर रोजगार के नए अवसर पैदा किया जा सकते हैं। केंद्र और राज्य सरकार उद्योग हितियों नीतियों से भारत में नई औद्योगिक संस्कृति को बढ़ावा दे रही हैं। उन्होंने कहा कि देश में वर्षों बाद जीएसटी के इतने कम स्लेब बनाए गए हैं जो कि अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। आज विभिन्न उद्योगों में महिलाएं आगे आ रही हैं। उन्होंने बड़ी-बड़ी कंपनियों में महिलाओं की भागीदारी और उनको आत्मनिर्भर बनाने की बात पर जोर देते हुए कहा कि छोटे-छोटे उद्योगों में महिलाओं को आगे लाना होगा।

माध्यम से मार्गदर्शन प्राप्त कर युवा उद्यमी ‘विकसित भारत विकसित हरियाणा’ की कहानी लिखेंगे।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा का भौगोलिक क्षेत्र केवल 1.3 प्रतिशत है, लेकिन यह वर्ष 2024-25 के अग्रिम अनुमान के अनुसार राष्ट्रीय

जीडीपी में 3.6 का प्रतिशत का योगदान दे रहा है। सकल राज्य घरेलू उत्पाद पिछले दशक में 10.8 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। फरीदबाद, पानीपत, यमुनानगर और अंबाला के अनधिकृत औद्योगिक क्षेत्र में चल रही हजारों एमएसएमई को रहत प्रदान की गई है।

पूरी फैमिली साथ देखें, साफ़-सुथरी पारिवारिक फिल्म

क्योंकि हीर एक्सप्रेस फ़िल्म है हर जनरेशन के लिए, टीनएजर से लेकर पेरेंट्स, ग्रैंड पेरेंट्स और बच्चों तक सबके लिए भरपूर मस्ती - तो हीर एक्सप्रेस देखिए, पूरे परिवार के साथ। एक ही शो के 8 Tickets एक साथ बुक करें, वो भी बिल्कुल फ्री (Limited Tickets)

FROM THE NATIONAL AWARD WINNING DIRECTOR OF OH MY GOD, 102 NOT OUT

Star Cast

ASHUTOSH RANA

PRIT KAMANI

SANJAY MISHRA & GULSHAN GROVER

Directed by UMESH SHUKLA

INTRODUCING

DIVITA JUNEJA

SAAF SUTHARI PARIVARIK FILM

IN CINEMAS NOW

GET YOUR 8 FREE TICKETS

*Family Pack Movie Offer Valid for Today Only

तो देर न करें - अपनी सीट बुक करें ताकि हीर एक्सप्रेस छूट न जाए!

USE CODE **FAMILY** book my show

SCAN QR CODE

सुबल वाणी

बोले गए शब्द केवल माफ किए जा सकते हैं, केवल भुलाए नहीं जा सकते।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किसान कल्याण को लेकर केंद्रीय खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री के साथ बैठक कर विभिन्न विषयों पर की चर्चा पीईजी योजना के तहत हरियाणा के गोदामों की क्षमता को बढ़ाकर 30 लाख मीट्रिक टन करने की केंद्र सरकार से मिली मंजूरी: नायब सैनी

मुख्यमंत्री के 1 अक्टूबर से शुरू होने वाली खरीद को हरियाणा में निर्धारित समय से पहले शुरू करने के आग्रह को केंद्र सरकार ने स्वीकार किया

केंद्रीय पूल में हरियाणा द्वारा दिए गए गेहूँ और चावल की फसल की बकाया राशि 6200 करोड़ रुपये के जल्द भुगतान का मिला आश्वासन

अर्थ प्रकाश संवाददाता



चंडीगढ़, 15 सितंबर। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी के साथ बैठक कर किसानों के हितों और फसल खरीद से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि

हरियाणा में 1 अक्टूबर से प्रस्तावित फसल खरीद को निर्धारित समय से पहले शुरू करने की अनुमति दी जाए, ताकि किसानों को बिना किसी परेशानी के अपनी उपज बेचने का अवसर मिल सके। मुख्यमंत्री के इस आग्रह को केंद्र सरकार ने स्वीकार कर लिया।

बैठक के दौरान, प्राइवेट

एंटरप्रेन्योर्स गारंटी (पीईजी) स्कीम के तहत हरियाणा के गोदामों की क्षमता को बढ़ाकर 30 लाख मीट्रिक टन करने की केंद्र सरकार की ओर से मंजूरी प्रदान की गई। इसके अलावा, केंद्रीय पूल में हरियाणा द्वारा दिए गए गेहूँ और चावल की फसल की बकाया राशि 6200 करोड़ रुपये का जल्द भुगतान का

भी आश्वासन मिला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के पास मौजूदा वक्त में केंद्रीय पूल का 100 लाख मीट्रिक टन गेहूँ और चावल का स्टॉक है। दिसंबर में अगली फसल की सप्लाई शुरू होने पर हरियाणा को 14.5 लाख मीट्रिक टन स्टॉक रखने का स्थान केंद्र सरकार से अतिरिक्त प्राप्त होगा। अतिरिक्त चावल व गेहूँ को अन्य राज्यों में भेजा जाएगा।

बैठक के दौरान, फसल विविधीकरण और गन्ने की फसल को बढ़ावा देने के लिए श्री नायब सिंह सैनी ने शुगर मिल की दूरी को 25 किलोमीटर से घटाकर 15 किलोमीटर रखने का प्रस्ताव दिया, जिस पर भारत सरकार ने अनुमोदन दिया।

मुख्यमंत्री ने पीडीएस के तहत बाटे जाने वाले चावल को 25 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत टूट

हुआ करने की पायलट योजना का पुरजोर समर्थन किया और हरियाणा का लक्ष्य 3.5 लाख टन से बढ़ाकर 8 लाख टन करने पर केंद्र सरकार का आभार जताया। उन्होंने कहा कि हरियाणा इस साल 10 प्रतिशत टूटे चावल के 8 लाख मीट्रिक टन की खरीद के लक्ष्य को पूरा करेगा। 15 प्रतिशत बचे टूटे चावल को केंद्र सरकार की तरफ से 15 दिनों में बेचा जाएगा।

बैठक में हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री श्री राजेश नागर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरूण गुप्ता, रजिस्टर्ड कमिश्नर डी सुरेश सहित कई उच्च अधिकारी भी मौजूद रहे।

बैठक के उपरांत पत्रकारों से बातचीत करते हुए एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए तीन

अपराधिक कानूनों को लेकर राज्य में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। इनको लेकर कुरुक्षेत्र में विशाल प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह करेंगे।

एक अन्य सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस पर 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक विशेष सेवा पखवाड़ा मनाया जाएगा। इस सेवा पखवाड़े के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा विशेष कार्यक्रम एवं कार्य योजना बना कर महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता, रक्तदान शिविर और स्वास्थ्य जैसे बड़े स्तर पर सेवा कार्य किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सेवाओं को लेकर कई कार्यक्रम चलाए जाएंगे और महिलाओं व नागरिकों के स्वास्थ्य पर फोकस किया जाएगा।

घग्गर क्षेत्र के दोनों राज्यों के किसानों के सुझावों पर एक सप्ताह में रिपोर्ट दें अधिकारी: डीसी

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

कैथल, 15 सितंबर। डीसी प्रीति ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार सरकार का प्रयास है कि हरियाणा व पंजाब के किसानों को घग्गर नदी में पानी की अधिकता की स्थिति में नुकसान न हो। इसके लिए पहले भी सरकार ने व्यापक स्तर पर उपाय किए हैं। इस बार भी सरकार द्वारा स्थिति पर बारीकी से नजर रखते हुए प्रयास किया गया कि इस क्षेत्र के आमजन को किसी तरह की परेशानी न हो। सरकार व प्रशासन के प्रयासों के चलते पानी आबादी में नहीं पहुंचा। अब जब घग्गर में पानी कम हो गया है तो सिंचाई विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि पंजाब एवं हरियाणा के घग्गर के आस-पास के गांवों के लोगों ने जो भी सुझाव एवं शिकायतें दी हैं, उन सुझावों व शिकायतों सहित घग्गर नदी के जल स्तर पर कार्ययोजना की एक सप्ताह में रिपोर्ट तैयार करें। जिसे सरकार से स्वीकृति मिलते ही तुरंत काम शुरू करवाया जाएगा। पूरा प्रयास रहेगा कि नदी के पानी के चलते इस क्षेत्र में दोनों ही ओर के लोगों को नुकसान की न हो। डीसी प्रीति सोमवार को कैथल लघु सचिवालय स्थित सभागार में हरियाणा

व पंजाब के घग्गर क्षेत्र के किसानों, आमजनों के साथ आयोजित बैठक को संबोधित कर रही थीं। बैठक में जिले के सिंचाई विभाग, राजस्व विभाग सहित एसडीएम गृहला व अन्य अधिकारीगण भी मौजूद रहे। डीसी प्रीति ने बताया कि पिछले दिनों पंजाब क्षेत्र के कुछ गांवों के किसान माननीय मुख्यमंत्री से मिले थे। उनसे मिलकर घग्गर क्षेत्र में हर दो-तीन साल बाद उत्पन्न होने वाली बाढ़ जैसी स्थिति से बचने के लिए कई सुझाव दिए थे। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को आदेश जारी किए थे कि पंजाब क्षेत्र के किसानों के साथ बैठक कर जलभराव संबंधी उपायों पर चर्चा कर समस्याओं का समाधान किया जाए। मुख्यमंत्री के आदेशानुसार बैठक कर घग्गर के जलभराव वाले क्षेत्र में आने वाले पंजाब एवं हरियाणा के गांवों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की है। जिसमें दोनों ही क्षेत्र के किसानों ने घग्गर की साफ-सफाई सहित कई सुझाव दिए हैं। किसानों द्वारा दिए गए सुझावों व शिकायतों का मौके पर ही अधिकारियों द्वारा तार्किक जवाब दिया गया। साथ ही दोनों ही क्षेत्र के आबादी, कृषि क्षेत्र के कल्याण के लिए जो भी उपाय किए जा सकते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

सरकार द्वारा चलाई जा रही स्कीमों के बारे में जानकारी दी गई

निर्सिंग (अग्रस/कृष्ण)। केनरा बैंक ने सरकार द्वारा चलाई जा रही स्कीमों के बारे में जानकारी देने के लिए गांव गोविंदगढ़ में विशाल शिविर का आयोजन हुआ। केनरा बैंक मेंगा जानकारी शिविर में केनरा बैंक के महाप्रबंधक मनोज कुमार मीणा, डीजीएम डी वी सी पेंड्रेड कुमार, ए जी एम राज मंगल,डी एम शांति भूषण के पहुंचने सरदार महल सिंह व सरपंच जितेंद्र सिंह के साथ मिलकर किया जोरदार स्वागत।सरदार महल सिंह अपने गांव से सैकड़ों लोगों को लेकर केनरा बैंक द्वारा लगाए गए आयोजन में पहुंचे कार्यक्रम का आयोजन सरदार महल सिंह डावर व सरदार जितेंद्र सिंह सरपंच और गुरुद्वारा प्रबंधक सरदार बलकार सिंह जी की अध्यक्षता में रखा गया। केनरा बैंक के अधिकारियों ने सरकार द्वारा चलाई गई स्कीमों के बारे में काफ़ी जानकारी दी। और जल्दी गांव डावर व गोविंदगढ़ में केनरा बैंक का एटीएम की भी शुरुआत करने का आश्वासन दिया। गांव चोरकारसा के सरपंच रामपाल भी अपने गांव के लोगों को लेकर इस आयोजन में पहुंचे। केनरा बैंक के अधिकारियों ने बताया कि अपने अकाउंट में लगातार टैक्सेशन करते रहे अपने खाते को बंद ना करें बंद करने से आपके खाते में नुकसान होता है और हमेशा अकाउंट को निरंतर चालू रखें और जिनके भी अकाउंट बंद थे फिर केवाईसी द्वारा जोड़कर अकाउंट को शुरू किया गया गांव की काफ़ी लोगों ने अपने नए अकाउंट भी खुलवाए।

यातायात नियमों को लेकर पुलिस की सख्ती, कार्टे चालान

जींद (अग्रस/सुरेश सिसोदिया)। सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने और हादसों पर अंकुश लगाने के लिए जींद पुलिस ने 5 से 14 सितंबर तक विशेष ट्रैफिक अभियान चलाया। यह अभियान एडीजीपी यातायात एवं हाईवे हरियाणा करनाल के दिशा-निर्देश, पुलिस अधीक्षक जींद कुलदीप सिंह के मार्गदर्शन और डीएसपी सदीप कुमार के नेतृत्व में आयोजित किया गया। थाना यातायात प्रभारी निरीक्षक शमशेर सिंह ने बताया कि इस दौरान 876 गलत लेन में वाहन चलाने, 11 प्रेशर हॉर्न बजाने, 10 बुलेट पटाखा निकालने और 101 नशे में वाहन चलाने के चालान काटे गए। कुल 54 वाहन भी इम्पाउंड किए गए। एसपी कुलदीप सिंह ने कहा कि गलत लेन में गाड़ी चलाना, प्रेशर हॉर्न बजाना, बुलेट पटाखा फिनालाना और नशे की हादसत में वाहन चलाना बहुत खतरनाक है, क्योंकि इससे न केवल चालक बल्कि अन्य राहगीरों की जान को भी गंभीर खतरा रहता है। विशेषकर रात के समय नशे में गाड़ी चलाने से हादसों की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। इस अभियान का उद्देश्य ट्रैफिक अनुशासन कायम करना और लोगों को नियमों के प्रति जागरूक करना है। एसपी ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार चलेगें और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्ती जारी रहेगी।

सीआरएसयू में 26वीं शैक्षणिक परिषद बैठक सम्पन्न

जींद (अग्रस/सुरेश सिसोदिया)। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद में कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी की अध्यक्षता में 26वीं शैक्षणिक परिषद की बैठक आयोजित हुई। बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप अद्यतन योजनाओं और पाठ्यक्रमों को मंजूरी दी गई। स्वीकृत पाठ्यक्रमों में लचीली क्रेडिट प्रणाली, व्यवसायिक शिक्षा का समावेश और अनुसंधान पर जोर शामिल है। बीएड, एमएड, बीए-बीएड/बीएससी-बीएड, एमपीईएस आदि पाठ्यक्रमों के प्रॉस्पेक्टस को सत्र 2025-26 के लिए मंजूरी दी गई। कई शिक्षा कॉलेजों को बीबीए, बीएससी कंप्यूटर साइंस और बीएससी स्पोर्ट्स शुरू करने की अस्थायी संबद्धता दी गई। बैठक में विश्वविद्यालय और कॉलेजों के छात्रों को विशेष व मर्सी वांस देने का निर्णय भी लिया गया। विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर वृत्तचित्र और विस्तृत प्रस्तुति प्रस्तुत की गई, जिसे परिषद सदस्यों ने सराहा।

रामलीला महोत्सव 2025 बनेगा नरवाना की पहचान

नरवाना (अग्रस/हितेश गर्ग)। श्री भारतीय कला केंद्र (रजि.) नरवाना द्वारा आयोजित रामलीला महोत्सव 2025 का शुभारंभ 21 सितम्बर को होगा, जिसका उद्घाटन हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण बेदी करेंगे। यह आयोजन 2 अक्टूबर को दशहरे पर संपन्न होगा। केंद्र के प्रधान कुलदीप सिंगला ने बताया कि इस बार आयोजन और भी भव्य होगा। नई पीढ़ी के कलाकार अत्याधुनिक मंच तकनीक के साथ रामायण की वि्य कथाओं का मंचन करेंगे। सुरक्षा, पार्किंग और महिला सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। शहर की सभी धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं ने आयोजन के समर्थन का संकल्प लिया है। इसे नरवाना की संस्कृति, परंपरा और एकता का प्रतीक बताते हुए सभी ने व्यापक सहयोग देने का आश्वासन दिया। भारतीय कला केंद्र ने नरवाना वासियों से परिवार सहित रामलीला में भाग लेने का आह्वान किया है।

संसद खेल महोत्सव 2025 खेलेगा कुरुक्षेत्र, बड़ेगा भारत: अरविंद गोलन

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

कैथल, 15 सितंबर। सांसद नवीन ज़िंदल के पंडड़ी हलका प्रभारी अरविंद गोलन पंडड़ी ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फिट इंडिया विजन और कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन ज़िंदल के मार्गदर्शन से प्रेरित होकर संसद खेल महोत्सव 2025 का भव्य आयोजन होने जा रहा है। यह आयोजन न केवल एक खेल प्रतिযোগिता है बल्कि युवाओं में ऊर्जा, अनुशासन, और राष्ट्रेय का संचार करने वाला एक महाउत्सव है। उन्होंने कहा कि महोत्सव का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी युवाओं को खेलों के माध्यम से एक मंच प्रदान करना है, जहां वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें और अपने गाँव, क्षेत्र व देश का नाम रोशन करें। यहां बातचीत कर जानकारी देते हुए अरविंद

गोलन ने बताया कि पंजीकरण की अंतिम तिथि 20 सितंबर है और खेल आयोजन 21 सितंबर से 25 दिसंबर 2025 तक होगा। इस आयोजन में विभिन्न आयु वर्गों के लिए कई प्रकार के खेलों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें दौड़, कुश्ती, कबड्डी, वॉलीबॉल, फुटबॉल, और पारंपरिक ग्रामीण खेल शामिल होंगे। अरविंद गोलन ने कहा कि फिट युवा ही विकसित भारत की असली पहचान है। संसद खेल महोत्सव एक ऐसा मंच है, जो हमारे युवाओं को न केवल शारीरिक रूप से सशक्त बनाएगा, बल्कि उनमें नेतृत्व, टीमवर्क और आत्मविश्वास का विकास भी करेगा। इस आयोजन का संदेश है खेलेगा कुरुक्षेत्र, बड़ेगा भारत,फिट युवा फॉर विकसित भारत। उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह है कि वे स्वयं पंजीकरण करें।

समाधान शिविर में नायब तहसीलदार संजरव अत्री ने सुनी लोगों की समस्याएं, सम्बंधित विभागों को दिए निर्देश

अर्थ प्रकाश/सुशील कुमार

नारायणगढ़, 15 सितंबर। समाधान शिविर में नायब तहसीलदार संजीव अत्री ने ग्रामीणों व शहरी क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित समाधान के लिए सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। शिविर के दौरान विभिन्न गांवों और कॉलोनियों से आए लोगों ने अपनी-अपनी समस्याएं रखीं- गांव बड़ै बस्सी के रामकुमार ने मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ दिलवाने से जुड़ी मांग रखी।

नारायणगढ़ की दुर्गा कॉलोनी निवासी प्यारे लाल ने बस स्टैंड के पास से गुजर रहे नाले की सफाई कम्पाने की समस्या उठाई। गांव कुगुली के प्रवीण कुमार ने परिवार पहचान पत्र में कार दर्ज होने से संबंधित समस्या रखी। गांव नगावां के जयचंद ने परिवार पहचान पत्र



में आय कम दर्ज करने की मांग की। गांव गदौली के ग्रामीणों ने गांव में चल रहे सीवेज कार्य को सही तरीके से जल्द पूरा कम्पाने की मांग रखी। गांव गदौली के गुरदयाल सैनी, ओम प्रकाश सैनी और प्रधान राजकुमार ने मास्कण्ड नदी पार मंगत माजर वाले गस्ते पर बनी पट्टी से लगाते खेलों से पानी निकासी का प्रबंध करने संबंधी समस्या रखी।

नारायणगढ़ के पठना वाला मोहल्ल निवासी रमेश कुमार ने कुद्वक्स्था पैसन का लाभ दिलवाने की मांग की। गांव

हैप्पीनेस प्रोग्राम में सिखाई सुदर्शन क्रिया

कैथल (अग्रस)। आर्ट ऑफ लिविंग कैथल संस्था की आचार्य रुचि शर्मा ने बताया कि संस्था द्वारा कपिस्थल आश्रम में हैप्पीनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस प्रोग्राम में आचार्य कंचन सेठ ने लोगों को सुदर्शन क्रिया सिखाई। सुदर्शन क्रिया सांसों की ऐसी तकनीक है जो हमारे शरीर से विषाक्त पदार्थ को निकाल कर प्राण शक्ति बढ़ाने में सहायक होती है। सुदर्शन क्रिया से हमारे शरीर की शुद्धि और मानसिक स्पष्टता भी मिलती है। यह कार्यक्रम तीन दिन तक चला और सभी प्रतिभागियों ने इसका भरपूर आनंद लिया। प्रतिभागियों ने यह भी बताया कि इस कार्यक्रम में उन्हें जीवन जीने की कला सिखाई गई जिससे वह रोज आने वाली चुनौतियों को संभाल सकते हैं और तनाव मुक्त होकर किस तरह अपना जीवन शैली बना सकते हैं।

नायब सरकार का उद्देश्य जनता की सेवा और पारदर्शी प्रशासन देना: अशोक गुर्जर

सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन प्रतिनिधिमंडल ने अशोक गुर्जर का जताया आभार

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

कैथल, 15 सितंबर। हाल ही में नवनियुक्त सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन के प्रतिनिधिमंडल ने ढांड स्थित निवास पर पहुंचकर भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक गुर्जर ढांड से भेंट की और अपनी नियुक्ति पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी एवं निर्वतमान भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक गुर्जर व भाजपा हाईकमान का आभार जताया।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल सदस्यों ने भाजपा नेता अशोक गुर्जर का पुष्प गुच्छ देकर सम्मान किया।



भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक गुर्जर ढांड ने सभी नवनियुक्त एमिनेंट पर्सन को बधाई देते हुए कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि ये सभी नवनियुक्त पदाधिकारी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे। सीएम विंडो एक ऐसा सशक्त माध्यम है जिसके जरिए आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान

संभव हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा सरकार का स्पष्ट उद्देश्य जनता की सेवा और पारदर्शी प्रशासन देना है। जनता की सेवा करना ही नायब सरकार का संकल्प है। भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मंत्र पर चलते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। भाजपा नेता अशोक गुर्जर ने यह भी कहा कि

विपक्ष केवल आलोचना करता है, लेकिन हमारी सरकार जमीनी स्तर पर काम कर रही है। जनता आर सम्पन्न चुकी है कि कौन उनके हित में काम कर रहा है और कौन केवल राजनीति कर रहा है। आने वाले समय में हम और अधिक मजबूती से जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाएंगे।

कार्यक्रम के अंत में उन्होंने सीएम विंडो टीम को क्षेत्र की समस्याओं पर ध्यान देने और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। सरकार व प्रशासन के माध्यम से जनता की समस्याओं के समाधान करवाए। इस मौके पर अशोक गुर्जर से मिलने वालों में यशपाल प्रजापति,महेन्द्र चौमा, ऋषि फतेहपुर, राजेंद्र कसाना ढांड, बलविंदर जांगड़ा, ममता सैनी आदि सदस्य मौजूद थे।

अधिकतम

30 डिग्री से.

24 न्यूनतम

सूर्योदय 6.07 को

सूर्यास्त 6.28 बजे

सोने 24 कैरेट 1,12,100.00

सरेक्स

81,785.74

अमेरिका

88.18

केनेडियन

63.79

आस्ट्रेलिया

58.70

न्यूज ब्रीफ

ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट के नाम पर लाखों रुपए की ठगी, मामला दर्ज

चंडीगढ़ (अप्रस/रंजीत शम्मी)।

थाना साइबर क्राइम पुलिस ने ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट के नाम पर लाखों रुपए की ठगी करने के मामले में अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है। और पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता सैक्टर 27 निवासी ने पुलिस को बताया कि उसका कुछ समय पहले किसी अज्ञात का कॉल आया। उसने पीड़ित को झांसे में लेते हुए कहा कि अगर वह ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट में पैसा लगाते हैं तो उसे अच्छा मुनाफा होगा। पीड़ित उनके झांसे में आ गया। उसने कुल मिलाकर 32,11,058 रुपए दिए गए खाते में जमा करावा दिए। जब बाद में संपर्क किया तो उसने संपर्क करना बंद कर दिया। और पता चला कि उसके साथ ठगी हो गई है। जिसकी शिकायत पुलिस को दी गई थी। पुलिस ने मामले में कारवाई करते हुए अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने स्नैचिंग मामले में नाबालिग समेत दो काबू किए

आरोपियों के कब्जे से एक मोबाइल फोन और तीन मोटर साइकिल बरामद किए

अर्थ प्रकाश/रंजीत शम्मी

चंडीगढ़, 15 सितंबर। यूटी नाथ ईस्ट डिविजन की थाना मनी माजरा पुलिस ने स्नैचिंग के मामले में नाबालिग समेत दो आरोपियों को हिरासत में लिया है।पकड़े गए आरोपी की पहचान मनी माजरा निवासी 19 वर्षीय अरुण के रूप में हुई है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से छीना गया मोबाइल फोन के अलावा तीन मोटर साइकिल भी बरामद किए। जानकारी के अनुसार पता चला कि पुलिस को गुप्त सूचना और टेक्निकल तकनीक के जरिए पता चला था कि एरिया से स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी सक्रिय है। मामले को गंभीरता से लेते हुए और चंडीगढ़ पुलिस के आला अधिकारियों के दिशा निर्देशों के थाना मनी माजरा के प्रभारी इस्पेक्टर मनिंदर सिंह की टीम ने आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो मामले का खुलासा हुआ।

जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता पंचकूला निवासी विजय ने पुलिस को बताया कि वह 12 सितंबर को लगभग साढ़े 5 बजे वह साइकिल से मनीमाजरा अंडरपास से हाइवेज लाइट पॉइंट जा रहा था। जब वह माउंट हार्जिस कॉम्प्लेक्स के पास पहुँचा, तो उसका फोन बज उठा और उसने अपनी जेब से फोन निकाला और बात करने लगा। इसी बीच, पीछे से दो मोटरसाइकिल सवार आए और उसके हाथ से उसका ओप्पो मोबाइल फोन छीनकर मौके से फरार हो गए। आरोपी बिना हेलमेट के स्प्लेंडर मोटरसाइकिल चला रहे थे। जिसकी सूचना तुरंत

पुलिस को दी गई थी। पुलिस ने मामले में कारवाई करते हुए अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज होने के तुरंत बाद पुलिस टीममें हरकत में आई और जाँच शुरू कर दी। इलाके से सीसीटीवी फुटेज एकत्र कर उनका विश्लेषण किया। संदिग्धों के संभावित ठिकानों पर छापे मारे गए। पुलिस जाँच के दौरान आरोपी अरुण को 15 सितंबर,2025 को सुबह-सुबह गिरफ्तार किया गया और एक अन्य आरोपी, जो नाबालिग है और स्नैचिंग में सक्रिय रूप से शामिल था। हिरासत में लिया गया। छीनी गई संपत्ति, एक ओप्पो मोबाइल फोन और अपराध में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई है। इसके अलावा, विभिन्न स्थानों से चोरी की गई दो और मोटरसाइकिलें भी बरामद की गई हैं। पकड़े गए आरोपी अरुण को पुलिस ने जिला अदालत में पेश किया। अदालत ने आरोपी को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।और पकड़े गए किशोर को चंडीगढ़ के सेक्टर-25 स्थित बाल सुधार गृह भेज दिया गया है।

लद्दाख की ऊंची चोटियों पर तिरंगा फहराकर चंडीगढ़ पुलिस के सिपाही सचिन कुमार ने रचा इतिहास

अर्थ प्रकाश/रंजीत शम्मी

चंडीगढ़, 15 सितंबर। अगर हैसिले और जुनून से कोई आदमी कुछ करने की छान ले तो क्या नहीं कर सकता। इस बात का उदाहरण चंडीगढ़ पुलिस विभाग के कांस्टेबल ने पेश किया है। चंडीगढ़ पुलिस के सिपाही सचिन कुमार जो पिछले 14 वर्षों से पूरी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ सेवा दे रहे हैं।उन्होंने पर्वतारोहण के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। उन्होंने अब तक विश्व की सबसे ऊँची चोटी माउंट एवरेस्ट (8849 मीटर), विश्व की चौथी सबसे ऊँची चोटी माउंट ल्होत्से (8516 मीटर) सहित लगभग 13 चोटियों पर सफल आरोहण किया है। इस बार उन्होंने लद्दाख की 6 चोटियों (6000+ मीटर) पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर देश और चंडीगढ़ पुलिस का नाम रोशन किया।

सफल आरोहण: डेडवैन माउन्टेनरिंग फाउंडेशन (आईएमएफ) दिल्ली की अनुमति और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में सचिन कुमार ने लेहड्वलद्दाख क्षेत्र में अत्यन्धनिष्ठा और अपने निजी संसाधनों से अभियान पूरा किया। इस दौरान उन्होंने सफलपूर्वक इन चोटियों पर चढ़ाई की- माउंट मेंटोक कांगड़ी 1 (6280 मीटर), माउंट चोमो चोंकर 1, माउंट चोमो चोंकर 2, पीक 6090

मीटर, पीक 6040 मीटर, पीक 6030 मीटर **स्वच्छ पर्वत - जिम्मेदार पर्वतारोहण:** सचिन कुमार और उनकी टीम ने अभियान को 'लौव नो ट्रेस' की भावना के साथ पूरा किया। उन्होंने सुनिश्चित किया कि किसी भी प्रकार का प्लास्टिक, कचरा या प्रदूषण पर्वतों पर न छोड़ा जाए। सचिन कुमार ने अपने इस अभियान को बाढ़ पीड़ितों और स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित किया।

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 15 सितंबर। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित चार दिवसीय 11वीं इन्स आउट आर्किबिल्ड प्रदर्शनी सोमवार को संपन्न हो गई। पीएचडीसीसीआई चंडीगढ़ चेप्टर के अध्यक्ष मधुसूदन विज ने बताया कि डेडवैन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्चर, द फायर एंड सिक्वोरिटी एमोसिएशन ऑफ इंडियन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई), चंडीगढ़ बिजली वितरण लिमिटेड और नेटवर्क ऑफ पीपल फॉर कंस्ट्रक्शन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में करीब 40 हजार लोगों ने भ्रमण किया है। प्रदर्शनी में करीब 150 कारोबारियों ने भाग लिया। पीएचडीसीसीआई की वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक भारती सूद ने बताया कि

सहयोग और आभार
सचिन कुमार ने सहयोग हेतु चंडीगढ़ पुलिस, आईटीबीपी की 37वीं बटालियन बीएसएफ ग्री-एवरेस्ट एक्सपीडिशन टीम (लीडर: पद्मश्री लवराज सिंह धर्मसर्त), लेह-लद्दाख पुलिस, हिमाचल पुलिस और डेकाथलन जौरकपुर का विशेष धन्यवाद किया।

खेल नीति पर अपील

सचिन कुमार ने कहा कि चंडीगढ़ प्रशासन की नई खेल नीति में पर्वतारोहण को शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने गुजारािश की कि पर्वतारोहण को अन्य खेलों की भांति खेल नीति में मान्यता मिले। खिलाड़ियों को पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की खेल नीतियों की तुर्ज पर समान सम्मान व लाभ दिए जाए। केवल भर्ती में खेल कोटा ही पर्याप्त नहीं है बल्कि सेवा में पदोन्नति के समय भी पर्वतारोहियों और जोखिमपूर्ण खेलों में उपलब्धि हासिल करने वालों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने विश्वास दिलाया कि चंडीगढ़ प्रशासन अगर खेल नीति में पर्वतारोहण को स्थान देता है तो आने वाले समय में एक से एक बेहतरीन पर्वतारोही हमारे क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 15 सितंबर। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित चार दिवसीय 11वीं इन्स आउट आर्किबिल्ड प्रदर्शनी सोमवार को संपन्न हो गई। पीएचडीसीसीआई चंडीगढ़ चेप्टर के अध्यक्ष मधुसूदन विज ने बताया कि डेडवैन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्चर, द फायर एंड सिक्वोरिटी एमोसिएशन ऑफ इंडियन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई), चंडीगढ़ बिजली वितरण लिमिटेड और नेटवर्क ऑफ पीपल फॉर कंस्ट्रक्शन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में करीब 40 हजार लोगों ने भ्रमण किया है। प्रदर्शनी में करीब 150 कारोबारियों ने भाग लिया। पीएचडीसीसीआई की वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक भारती सूद ने बताया कि

भारती सूद ने बताया कि चार दिनों के दौरान, विषय विशेषज्ञों ने आधुनिक निर्माण तकनीक, अग्नि सुरक्षा, सुरक्षा, रियल एस्टेट, साज-सज्जा और सजावट सहित विभिन्न विषयों के अलावा पीएम सूर्य घर योजना, चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा शुरू की गई रैंप योजना पर आयोजित सेमिनार के माध्यम से यहां आने वाले लोगों को जागरूक किया।

डंपिंग ग्राउंड: कूड़े का पहाड़ हटाने की डेड लाइन 30 तिसंबर पर संकट के बादल

साइट पर अभी भी मौजूद है हजारों टन मीट्रिक टन कचरा

अर्थ प्रकाश/वीरेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 15 सितंबर। डंपिंग ग्राउंड के कूड़े का पहाड़ शहर और नगर निगम के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। आगामी 30 सितंबर तक इसे हटाने की तयशुदा समय सीमा पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। क्योंकि इसे हटाने की अंतिम तिथि के दिन अब बहुत कम रह गये हैं। किंतु इस साइट पर हजारों मीट्रिफ टन कचरा पड़ा है। उल्लेखनीय है कि इस कचरे के चलते निकटवर्ती क्षेत्र के लगभग 50 हजार लोग गंदगी और दुर्गंध से परेशान हैं। इन लोगों का कहना है कि स्थिति इतनी ज्यादा खराब है कि इधर से गुजरने वाला व्यक्ति भी दिन भर बदबू की मार झेलने को मजबूर है। यह लोग पिछले कई सालों से इसके समाधान की मांग कर रहे हैं, किंतु नगर निगम के पास अभी तक कोई हल नहीं है।

हाईकोर्ट ने एमईएस के इंजीनियर-इन-चीफ, चीफ इंजीनियर और एसई को अवमानना मामले में किया तलब

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 13 सितंबर। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विसेज के तीन वरिष्ठ अधिकारियों को अदालत की अवमानना मामले में व्यक्तिगत रूप से पेश होने के आदेश दिए हैं। यह कार्रवाई पंचकूला स्थित एक ठेकेदार द्वारा दायर याचिका के बाद की गई है।

कोर्ट ने जिन अधिकारियों को तलब किया है, उनमें लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद वालिया, इंजीनियर-इन-चीफ, नई दिल्ली, मेजर जनरल राजदीप सिंह रावल, चीफ इंजीनियर, वेस्टर्न कमांड (मुख्यालय), रविंदर कुमार वर्मा, सुपरिटेंडिंग इंजीनियर (क्रांटीडी सर्वेयर एंड कॉन्ट्रैक्ट्स), वेस्टर्न कमांड शामिल हैं। पंचकूला की ठेकेदार फर्म

एम/एस जोगिंदर नाथ गुप्ता एंड संस ने मई 2025 में एक रिट याचिका दायर की थी, जिसमें उनके पैनल नवीनीकरण (एम्पेनलमेंट रिनूअल) के आवेदन पर निर्णय लेने की मांग की गई थी। यह आवेदन पिछले दो वर्षों से लंबित था।

हाईकोर्ट ने यह याचिका 5 जून 2025 को निपटाई थी, जिसमें एमईएस के वकील ने कोर्ट को आश्वासन दिया था कि यदि ठेकेदार एक हलफनामा दाखिल करता है, तो उसका केस दो सप्ताह के भीतर निपटा दिया जाएगा। ठेकेदार ने

अगले ही दिन हलफनामा दाखिल कर दिया था, लेकिन अधिकारियों ने दो महीने बीत जाने के बाद भी कोई निर्णय नहीं लिया।

इस 'जानबूझकर की गई लापरवाही और कोर्ट के आदेश की अनदेखी' को गंभीरता से लेते हुए ठेकेदार ने अवमानना याचिका दायर की। 1 सितंबर 2025 को हुई पिछली सुनवाई में न्यायमूर्ति निधि गुप्ता ने अधिकारियों के व्यवहार को गंभीरता से लिया और स्पष्ट किया कि यदि अगली सुनवाई से पहले कोई के आदेश का पालन नहीं किया गया, तो तीनों वरिष्ठ अधिकारियों को 26 सितंबर 2025 को कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा। ठेकेदार की ओर से अधिवक्ता निश्चल चेतन्य मनचंदा ने पक्ष रखा, जबकि अधिकारियों की ओर से अधिवक्ता उर्वशी दुग्गा ने दलीलें दी।

पंजाब विश्वविद्यालय में छात्रों से रूबरू हुई यूके डेलिगेशन

भारत मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) और यूके का 'वीजा फ्रॉड तो बचो' जागरूकता अभियान। फैकल्टी सदस्यों में डॉ. भवनीत भट्टी, विभागाध्यक्ष, और प्रो. अर्चना आर. सिंह भी मौजूद रही और सक्रिय रूप से चर्चा में भाग लिया। इस अवसर पर पंजाब विश्वविद्यालय ने श्री ग्रेवाल और नगरकोटी के साथ एक विशेष रेंडियो इंटरव्यू भी आयोजित किया।

चेवनिंग के बारे में बोलते हुए श्री ग्रेवाल ने कहा-‘चेवनिंग एक

अंतरराष्ट्रीय छात्रवृत्ति कार्यक्रम है जिसे यूके सरकार के फॉरेन, कॉमनवेल्थ एंड डेवलपमेंट ऑफिस द्वारा वित्तपोषित किया जाता है। यह कार्यक्रम 150 से अधिक यूके विश्वविद्यालयों में एक वर्षीय मास्टर्स डिग्री के लिए पूरी तरह वित्तपोषित छात्रवृत्ति प्रदान करता है। इसमें कोई आयु सीमा नहीं है और 160 से अधिक देशों से छात्रों का स्वागत किया जाता है। आवेदन की वर्तमान विंडो 7 अक्टूबर तक खुली है।’ यूके-भारत मुक्त व्यापार समझौते

प्र श्री ग्रेवाल ने इसे 'भारत का अब तक का सबसे अच्छा सौदा और यूरोपीय संघ से बाहर आने के बाद यूके का सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय व्यापार समझौता' बताया और कहा कि इससे दोनों देशों के प्रमुख क्षेत्रों को लाभ होगा।

‘वीजा फ्रॉड तो बचो’ अभियान पर प्रकाश डालते हुए श्री नगरकोटी ने कहा-‘यह अभियान इस वर्ष फरवरी में शुरू किया गया था और पंजाब के ग्रामीण इलाकों तक पहुंच चुका है, जहाँ गाँव के बुजुर्गों और महिलाओं को वीजा फ्रॉड के खिलाफ जागरूक किया गया। हमने अंग्रेजी और पंजाबी में एक व्हाट्सएप चैटबॉट (+91-7065251380) भी लॉन्च किया है ताकि लोगों को प्रामाणिक जानकारी मिल सके। हमारा मिशन स्पष्ट है - लोगों को वीजा फ्रॉड से बचाना, जागरूकता फैलाना और यूके की ओर सुरक्षित, वैध यात्रा को बढ़ावा देना।’

स्ट्रीट वेंडर्स का नगर निगम पर धरना-प्रदर्शन, कांग्रेस नेताओं ने दिया समर्थन

पार्षद गुरप्रीत सिंह गाबी और कांग्रेस महासचिव वसीम मीर पहुंचे मौके पर, यूनियन ने ज्वाइंट कमिश्नर को सीपा ज्ञापन

अर्थ प्रकाश/वीरेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 15 सितंबर। आज चंडीगढ़ रेडी-पडी यूनियन और स्ट्रीट वेंडर्स ने अपनी मांगों को लेकर नगर निगम चंडीगढ़ मुख्यालय के बाहर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान पार्षद गुरप्रीत सिंह गाबी तथा चंडीगढ़ कांग्रेस के महासचिव वसीम मीर मौके पर पहुंचे और वेंडर्स को पूरा समर्थन दिया। यूनियन के अध्यक्ष राममिलन गोड़ ने वेंडर्स की प्रमुख समस्याओं को पार्षद गुरप्रीत सिंह गाबी के सामने रखा। समस्याओं का ध्यानपूर्वक सुनते हुए पार्षद गुरप्रीत सिंह गपी ने वेंडर्स को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं को आगामी नगर निगम हाउस मीटिंग में जरूर उठाया जाएगा। उन्होंने कहा

कि कई मुद्दे अत्यंत आवश्यक हैं और उन्हें प्राथमिकता के साथ रखा जाएगा।

पार्षद गुरप्रीत सिंह गाबी ने वेंडर्स से यह भी अपील की कि वे अपने क्षेत्र में गैर-कानूनी वेंडर्स के विरोध करें ताकि सभी का काम व्यवस्थित रूप से चल सके और भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि वे हमेशा वेंडर्स के साथ खड़े हैं और चंडीगढ़ के सांसद मनीष तिवारी भी गरीब

और मेहनतकश लोगों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हैं। यह मामला सांसद के सामने भी रखा जाएगा।

धरना-प्रदर्शन के उपरांत पार्षद गुरप्रीत सिंह गाबी, कांग्रेस महासचिव वसीम मीर, यूनियन अध्यक्ष राममिलन गोड़ तथा अन्य वेंडर्स ने मिलकर ज्वाइंट कमिश्नर नगर निगम चंडीगढ़ हिमांशु को वेंडर्स की समस्याओं से संबंधित ज्ञापन भी सीपा।

25 फीसदी काम अभी बाकी

निगम के अनुसार अब तक तकरीबन 75 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, किंतु कूड़े का पहाड़ अब भी जस का तस है। स्थानीय निवासियों की मानें तो बदबू इतनी तेज है कि हवा के साथ इसकी दुर्गंध सेक्टर 37 की मार्केट तक पहुंचती है। वर्ष 2022 में जहां लगभग 7.67 लाख मीट्रिक टन कचरा जमा था।

काम पूरा होने में वक्त लगेगा- मेयर

नगर निगम चंडीगढ़ के मौजूदा मेयर हरप्रीत कौर बबला का मानना है कि इस बार बारिश के चलते काम पर असर पड़ा है। ऐसे में 30 सितंबर तक कूड़े का पूरा पहाड़ हटा पाना काफ़ी मुश्किल है। उम्मीद है कि आने वाले कुछ महीनों में यह काम पूरा हो जायेगा। बता दें कि डंपिंग साइट का मुद्दा अदालत तक पहुंच चुका है। हरियाणा एवं पंजाब हाईकोर्ट भी इस पर सख्त टिप्पणी कर चुके हैं।

सम्पादकीय

पाक को एक बार फिर किया पस्त, यह सिलसिला रहेगा जारी

निश्चित रूप से पाकिस्तान का जन्म हारने और अपमानित होने के लिए ही हुआ है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से ऑपरेशन सिंदूर के द्वारा उसे जो सबक सिखाया गया, उसकी शृंखला रुकने का नाम ले रही। दुबई में एशिया कप के दौरान भारतीय क्रिकेट टीम ने जिस हौसले और जांबाजी से पाक टीम को पस्त

भारत और पाक के बीच क्रिकेट या फिर अन्य खेल मुकाबलों पर दोनों देशों के समेत पूरी दुनिया की नजर होती है। मैदान पर दोनों टीमें आमने-सामने होती हैं तो सांसें जैसे थम जाती हैं। हालांकि जब टीम इंडिया जीत हासिल करती है तो देश में भावनाओं का ज्वार आ जाता है। लेकिन इस बार यह ज्वार नहीं आया। इसकी वजह साफ थी, क्योंकि देश ने समझ लिया है कि पाक की औकात इतनी भी नहीं है कि वह खेल के मैदान में ही हम से मुकाबला कर सके। युद्ध के मैदान में तो उसकी बिसात बहुत पहले खत्म की जा चुकी है और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तीन दिन के युद्ध में ही पाक की कमर टूट गई थी और उसके हुक्मरानों ने अमेरिका के सामने गिड़गिड़ा कर खुद को बचाने की गुहार लगाई थी।

इसकी वजह साफ थी, क्योंकि देश ने समझ लिया है कि पाक की औकात इतनी भी नहीं है कि वह खेल के मैदान में ही हम से मुकाबला कर सके। युद्ध के मैदान में तो उसकी बिसात बहुत पहले खत्म की जा चुकी है और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तीन दिन के युद्ध में ही पाक की कमर टूट गई थी और उसके हुक्मरानों ने अमेरिका के सामने गिड़गिड़ा कर खुद को बचाने की गुहार लगाई थी। इसके बाद पाक की मांग पर सीजफायर हुआ, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ने इसे अपने लिए मेडल समझा और सीजफायर का श्रेय लेने का प्रहसन किया। हालांकि भारत के स्पष्टीकरण से सब साफ हो गया। यह भी प्रकटना हास्यास्पद है कि पाक क्रिकेट टीम के खिलाड़ी तिनकों की भांति बिखरते चले गए और एक तरह से उन्होंने तश्तरी में रखकर भारत को जीत दे दी। टीम इंडिया ने 7 विकेट से यह मैच जीता है।

इस मैच के दौरान टीम इंडिया ने खेल भावना से विरोधी टीम के साथ खेल खेला, लेकिन पाक के खिलाड़ियों से उचित दूरी भी बनाई। इस दौरान न तो टीम इंडिया के कप्तान ने पाक टीम के कप्तान से हाथ मिलाया और न ही बाकी खिलाड़ियों ने भी उनसे वास्ता रखा। यह सब नाजगजी और आक्रोश दिखाने के लिए था और यह महज टीम इंडिया की भावनाएं नहीं थी, अपितु पूरे भारत देश की थी। यह सब यह बताने के लिए था कि पाक आतंकी गतिविधियों में शामिल होकर किस प्रकार गलत कर रहा है और वह नफरत के काबिल है। टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जीत के बाद जो बयान दिया वह प्रत्येक भारतवासी को गौरवान्वित करने वाला है। उन्होंने पहलगाम हमले के शहीदों के परिवारों के साथ खड़े होने की बात की वहीं जीत को सुरक्षाबलों को समर्पित किया। टीम इंडिया को इसके लिए बहुत-बहुत बधाई मिलनी चाहिए कि उसने अदम्य साहस का परिचय देते हुए पाक को हराया। अगर परिणाम इसके उलट रहता तो संभव है आज पाक अपनी जीत का जश्न मना रहा होता, यह उसी प्रकार होता जैसे ऑपरेशन सिंदूर में शर्मनाक हार के बावजूद पाक सरकार, उसकी आर्मी और जनता सड़कों पर खुशी में झूम रही थी। जाहिर है पाक खिलाड़ियों को इस मैच में अपमान झेलना पड़ा है। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि पाक में कोई भी अलग-अलग नहीं है। पाक खिलाड़ी भी भारत के संबंध में जहर उगलने में माहिर हैं, वे अपनी सरकार से यह भी नहीं कह सकते हैं कि वह भारत के प्रति इस नफरती रवये को खत्म करे। देश की सरहदें अपने वतन के प्रति वफादारी को मजबूर कर देती हैं। ऐसे में गलत भी सही नजर आता है और पाक की जनता के साथ यही हो रहा है। बेशक, दोनों तरफ शांति और अमन को चाहने वाले हैं, लेकिन संभव है अब दोनों देश बहुत आगे आ चुके हैं। पाक के लिए भारत के प्रति दुश्मनी उसकी जीवन प्रणाली बन गई है और भारत के लिए खुद को सुरक्षित, सम्मानित और सुदृढ़ बनाना। एशिया कप के इस मैच से यही साबित हुआ है। हमने पाक को एक बार फिर पस्त कर दिया और यह सिलसिला जारी रहेगा।

आत्मविश्वास की ऊंची मचान से दुनिया के धरातल को देखता और परखता भारत

भारत के भविष्य को वैभवशाली बनाने के लिए वर्तमान के तरकश में ताकतवर बाणों का संग्रह होना कितना जरूरी

दैनिक अर्थ प्रकाश



धर्मवीर सिंह, डीआईपीआरओ आर

क्या ट्रंप को राष्ट्रपति पुतिन से सीखनी चाहिए दोस्ती की परिभाषा

राष्ट्रहित में प्रेरक सोच की सोपान तैयार करता मोदी का महान व्यक्तित्व

बदलते परिवेश में भारत को आत्मविश्वास की समृद्धशाली विरासत और वर्तमान के दमदार निर्णायक निर्णयों के साथ उंचे मंच और दूरदर्शी मचान की ओर बढ़ते देखा जा सकता है। भारत का ललाट पुरी तरह विश्व धरा पर अपनी उपस्थिती का अहसास कराते हुए निरंतरता में शोभायमान हो रहा है। विषम परिस्थितियों से जुझते हुए आए दिन हर क्षेत्र में देश की ताकत बढ़ रही है। यह एक दिन की मेहनत का नहीं बल्कि कई वर्षों की कड़ी मेहनत के परिणाम सामने आ रहे हैं।

वर्तमान की बात करें तो इसका श्रेय देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व से निकलती सोच और उनके टीम वर्क को जाता है। चुनौतियों को अवसरों में बदलना तो उनकी पुरानी आदत है। एक समय था जब छोटे बड़े देश भारत को आंखें दिखाते रहते थे लेकिन आज देश के मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट विदेश नीति के चलते अमेरिका जैसे देश भी घुटनों के बल आ गए हैं। मोदी की कार्यशैली की

प्रशंसा में दो शब्द हो सकता है कुछ लोगों के पेट में दर्द करते हो लेकिन सच्चाई से कोई मुंह नहीं मोड़ सकता। पिछले 11 वर्षों में हिंदुस्तान ने जो तरकी की है वह देश के धरातल पर साफ दिखाई देती है। लेखक का लेख यह नहीं कहता कि पिछली सरकारों ने कुछ नही किया। बहुत कुछ किया। लेकिन मोदी के नेतृत्व में चल रही सरकार ने दशकों पुराना कचरा निकाल कर देश को सम्मानित मंच और मचान पर खड़ा कर दिया है। आज आत्मविश्वास की ऊंची मचान से भारत दुनिया के धरातल को देखता और परखता नजर आ रहा है यदि कोई आलोचक अपनी आंख बंद करके भी देखना चाहे तो उसे हर क्षेत्र में देश की बढ़ती साख नजर आएगी। नीतियों 5की स्वस्थ आलोचना और मार्गदर्शन जरूर होना चाहिए लेकिन रंजिस वश ना हो तो बेहतर माना जाता है।

बात अमेरिकी धौंस की करें तो आने वाले समय में हिंदुस्तान की नीतियां और नीतिगत निर्णय ट्रंप की टैरिफ नीति को वरदान में बदलने का काम करेंगे। ऐसा विशेषज्ञों का मानना भी है। हालात पर नजर दौड़ाने से पता चलता है कि रूस से तेल लेने के कारण टैरिफ नहीं लगाया बल्कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नूरखान और रहीम यार खान एयरबेस पर हमले को वजह बताया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वहां अमेरिका का हित छिपा था और दूसरा कारण यह बताया जा रहा है कि ट्रंप ने युद्ध रूकवाया इस बात को भारत ने सिरे से नकार दिया। तीसरी बात यह कि विदेश यात्रा से भारत लौट रहे मोदी को ट्रंप अमेरिका बुलाकर नया गेम खेलना चाहता था चूंकि वहां पहले से ही आसिफ मुनिर बैठ हुआ था लेकिन मोदी समय की चाल को पहले ही भांप गया और अमेरिका जाने की बजाय सीधे स्वदेश लौट आए। यही बात ट्रंप को रास नहीं आई। हम उनकी बात क्यों माने जो हमें नीचा दिखाने के लिए प्रपंच रच रहे हों। भारत की अपनी नीतियां हैं,अपनी सोचा। भारत किसी से नहीं डरता और ना ही किसी के सामने झुकता है। यही बात



तो मोदी ने ट्रंप के फोन नहीं उठाकर सिद्ध कर दी है। देश के लोग अब गर्व से कहने लगे है कि भारत की कूटनीतिक, राजनीतिक, आर्थिक, सामरिक और सोशल ताकत के सामने अमेरिका जैसे बड़े देश भी विचलित होते नजर आ रहे हैं। हम सीना तान कर कह सकते है कि भारत दुनिया के धरातल का केंद्र बिंदु बन गया है। निजि अहंकार को देश के नीतिगत फैसलों में शामिल करने नहीं करना चाहिए।शायद अमेरिकी नेतृत्व से यही भूल हुई।

अभी हाल ही में सम्पन्न हुई एससीओ की मीटिंग में पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ भी चर्चा का विषय रहे। खुद पाकिस्तानी मीडिया उनके अपने नेता का मजाक उड़ाता नजर आया। जारी

तस्वीरें खुद बा खुद उनके व्यक्तित्व को बता रही थी। खेर छोड़िए उधर हमें जाने की ज्यादा जरूरत नहीं। जब हमारा पीओके लेंगे तब बात करेंगे। यह बात तो गर्व से अवश्य कह सकते है कि दुनिया के हर मंच पर भारत का कद और स्वाभिमान सफलता से भरी पराकाष्ठा को बू रहा है। जिसका कारण देश का सुलझा हुआ ताकतवर नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी,उनकी टीम तथा देश की करोड़ों जनता का आशीर्वाद है।

सम्मेलन में शी का ये कहना कि हाथी और ड्रैगन नई दिशा तय करेंगे। बताते चले कि भारत रूस और चीन एशिया के ताकतवर देश है। ऐसे में उनका परस्पर सहयोग नया सफर तय करने में सफल हुआ तो पश्चिम के दादागीर करने

वाले देश स्वयं घुटनों पर आ जाएंगे। अबकी बार यह प्रसास सफल होता दिखाई दे रहा है। कहते है कि पूत के पैर पालने में दिखाई देते है। टैरिफ को लेकर बात करें तो अदृश्य तरीके से शंघाई सहयोग संगठन सम्मेलन में अमेरिका के मद की हद तोड़ भारत का कद बढ़ता हुआ दिखाई दिया।

टैरिफ के तनाव की जद में आने वाले देश भारत की स्वाभिमानी नीति से कैसे गदगद होंगे ये तो वो जाने लेकिन भारत टैरिफ प्रकरण को लेकर दुनिया की मजबूत रीढ़ बनकर उभरा है। देश हित में एकाएक हुए फैसलों ने भारत का कद इस कदर बढ़ा दिया है कि अब कोई भी भारत को आंख दिखाने की हिम्मत नही कर पाएगा। शुरुआती दिनों से ही भारत बिना कुछ कहे सब कुछ कह गया। देशहित में मोदी द्वारा लिए गए निर्णय किसी भी देश को घुटनों पर लाने के लिए काफी है। कर्ज का कटोरा उठाकर घुमने वाले तो एससीओ सम्मेलन में विचलित और परेशान से नजर आए। ऐसा लगा कि अमेरिका की गोद में जा बैठे कटोरा खान को चीन ने भी कुछ खास भाव नहीं दिया। वैसे दुनिया के देशों का बड़ा चौधरी समझने वाला अमेरिका कभी भी भारत हितैषी नही रहा। सन 1971 इसका बड़ा उदाहरण है। बेशक टैरिफ विवाद को लेकर जमीं बर्फ पिघलने लगी है। लेकिन अमेरिका और चीन पर भरोसा सोच समझ कर करने में ही भलाई है। सोशल मंच पर ट्रंप मोदी को अच्छा दोस्त और शानदार प्रधानमंत्री बता रहे है। उनकी नजर में यह सच्चाई है या फिर उनका कोई तंज है। मोदी भी ट्रंप को करीबी दोस्त और स्वाभाविक साझेदार कहा। वैसे दोस्त की परिभाषा तो ट्रंप को राष्ट्रपति पुतिन और मोदी से समझनी चाहिए। भारत में सत्ता की सरतাজ कोई भी पार्टी रही लेकिन रूस हमेशा ही भारत का अच्छा मित्र और सहयोगी रहा लेकिन मोदी के कार्यकाल में रूस के साथ दोस्ती और भी घनिष्ठ हुई। यह देश की विदेश नीति का सार्थक और सकारात्मक परिणाम है।

अर्थ प्रकाश में 34 साल पहले आज का दिन

पेट्रोलियम पदार्थों के मूल्य-वृद्धि की सर्वत्र निंदा, गृहणियों का बजट गड़मड़या

चंडीगढ़। सरकार द्वारा पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ाये जाने की कई नेताओं, संगठनों, आम उपभोक्ताओं, गृहणियों व लगभग सभी वर्गों के लोगों ने सख्त निंदा की है तथा मांग की गई है कि महंगाई की मार से ग्रस्त पहले से आम आदमी दबा पड़ा है अतएव पेट्रोलियम पदार्थों की मूल्य वृद्धि वापिस लो जाए। भाजपा के मदन लाल खुराना ने नई दिल्ली में दिये गए बयान में पेट्रोलियम पदार्थों के मूल्यों में वृद्धि की कड़ी आलोचना की है। हरियाणा विधानसभा जनता दल (अजित) विधायक दल की नेता श्रीमति चन्द्रवती और विपक्ष के नेता प्रो. सम्पत सिंह ने पेट्रोलियम रसायनों में हुई मूल्य-वृद्धि की आलोचना की है। चंडीगढ़ न्याय मोर्चा की प्रधान श्रीमति सतिंदर धवन ने भी निंदा करते हुए कहा है कि पेट्रौ पदार्थों में सरकार द्वारा की गयी मूल्य वृद्धि से आम गृहिणी के बजट पर विपरीत असर पड़ेगा। फैडरेशन ऑफ स्माल स्कूल इंडस्ट्रीज चंडीगढ़ के प्रधान यशपाल महाजन व सचिव राजीव गुप्ता ने भी डीजल, पेट्रोल व कुकिंग गैस के मूल्य वृद्धि की आलोचना करते हुए कहा है कि इससे देश के लघु उद्योगों पर बुरा असर पड़ेगा।

मोदी जी और चंडीगढ़- लोकतंत्र की पहली सीढ़ी से आत्मनिर्भर भारत तक

दैनिक अर्थ प्रकाश

संगठन से आत्मीय रिश्ता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का चंडीगढ़ से जुड़ाव बेहद खास और आत्मीय रहा है। 1996-98 के दौरान उन्होंने उत्तर क्षेत्रीय प्रभारी के रूप में चंडीगढ़ में रहते हुए भाजपा संगठन की बागडोर संभाली। उस समय चंडीगढ़ लोकतांत्रिक संस्थाओं के अभाव से जूझ रहा था और जनता को निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी का अवसर नहीं मिलता था। ऐसे माहौल में मोदी जी ने न केवल संगठन को मजबूत किया, बल्कि शहर को लोकतंत्र की पहली सीढ़ी पर खड़ा करने का ऐतिहासिक कार्य किया।

नगर निगम की स्थापना- लोकतंत्र का नया अध्याय

मोदी जी के प्रयासों से दिसंबर 1996 में चंडीगढ़ नगर निगम का गठन हुआ और पहली बार चुनाव संपन्न हुए। यह चंडीगढ़ की लोकतांत्रिक यात्रा का मील का पथर साबित हुए। इन्हीं चुनावों में भाजपा की श्रीमती कमला शर्मा शहर की पहली मेयर बनीं। यह उपलब्धि मोदी

जी की सूझबूझ और संगठनात्मक रणनीति का प्रत्यक्ष परिणाम थी। कहना गलत नहीं होगा कि लोकतंत्र की पहली पायदान यहीं से शुरू हुई।

कार्यकर्ताओं से अपनापन

मोदी जी का सबसे बड़ा गुण रहा ड़्क कार्यकर्ताओं से गहरा जुड़ाव। वे नेता और कार्यकर्ता के बीच कोई दूरी नहीं रखते थे। स्कूटर पर बैट्कर मोहल्लों में जाना, कार्यकर्ताओं के घर चाय पीना और उनके सुख-दुख में शामिल होना उनकी सहज कार्यशैली थी। आज भी चंडीगढ़ के बहुत से कार्यकर्ता गर्व से कहते हैं कि नरेंद्र भाई मोदी उन्हें नाम से पहचानते थे। यही आत्मीय रिश्ता संगठन की असली ताकत बना।

लोकल फॉर वोकल की पहली झलक

प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी जी ने देश को 'लोकल फॉर वोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' का मंत्र दिया। लेकिन इसकी झलक 1996 में ही चंडीगढ़ में दिखाई दी थी। नगर निगम की स्थापना और चुनाव के जरिए उन्होंने यह संदेश दिया कि लोकतंत्र की असली ताकत स्थानीय प्रतिनिधित्व और जनता की भागीदारी



में है। यह वही विचारधारा थी, जिसने आगे चलकर आत्मनिर्भर भारत का रूप लिया।

संगठन और जनता दोनों मजबूत

प्रभारी रहते हुए मोदी जी ने संगठनात्मक ढाँचे को मजबूत किया और कार्यकर्ताओं में आत्मविश्वास भरा। वे हमेशा कहते थे ड़्क 'कार्यकर्ता ही पार्टी की असली

ताकत है।' इसी सोच ने भाजपा को चंडीगढ़ में मजबूती दी और जनता से सीधा जुड़ाव बनाया।

चंडीगढ़ से आत्मीय लगाव

आज भी चंडीगढ़ के कार्यकर्ता मोदी जी को केवल प्रधानमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि अपने पुराने प्रभारी और साथी के रूप में याद करते हैं। उनकी सादगी और लोकतांत्रिक सोच ने यहाँ की राजनीति और संगठन दोनों पर गहरी छाप छोड़ी है।

निष्कर्ष: नरेंद्र मोदी जी का चंडीगढ़ से जुड़ाव केवल संगठनात्मक जिम्मेदारी नहीं था, बल्कि लोकतांत्रिक इतिहास का अहम अध्याय था। नगर निगम की स्थापना, पहला चुनाव, कार्यकर्ताओं से आत्मीय रिश्ता और लोकल फॉर वोकल की झलक- यह सब चंडीगढ़ की पहचान बन गया।

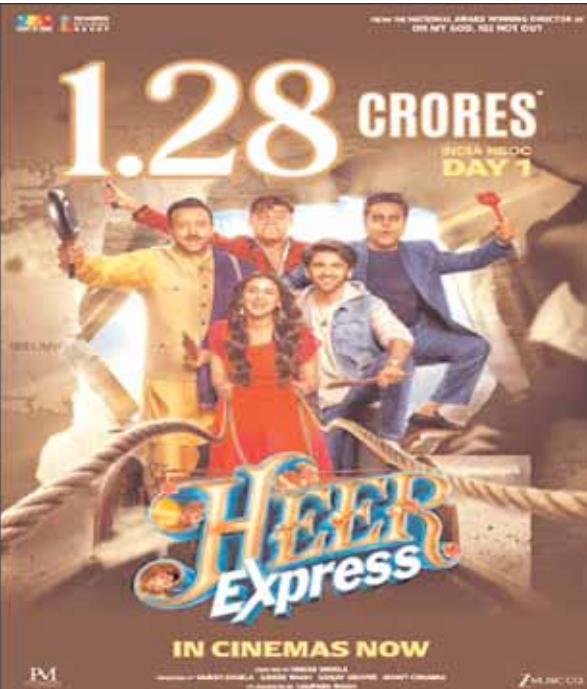
आज जब मोदी जी प्रधानमंत्री के रूप में आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार कर रहे हैं, तो चंडीगढ़ गर्व से कह सकता है कि इस सपने का पहला पन्ना यहीं से लिखा गया था।

-कैलाश चंद जैन
पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा चंडीगढ़

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

मुंबई। उमेश शुक्ला निर्देशित फिल्म 'हीर एक्सप्रेस' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की है। रिलीज़ के पहले ही दिन फिल्म ने 1.28 करोड़ रुपये की कमाई कर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है।

फिल्म की मुख्य अभिनेत्री दिविता जुनेजा, जो इस फिल्म से अपना बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं, को समीक्षकों और दर्शकों से जबरदस्त सरहना मिल रही है। सभी का कहना है कि दिविता जुनेजा ने पहले ही प्रयास में बेहतरीन अभिनय कर यह साबित कर दिया है कि वह लंबे सफर के लिए आई हैं। उनकी स्क्रीन प्रेज़ेंस, इमोशंस को जीने का अंदाज़ और किरदार को निभाने की सादगी ने सबका दिल जीत लिया है। फिल्म में प्रीत कपानी, आशुतोष राणा, गुलशन ग्रोवर, संजय मिश्रा और मेघना मलिक जैसे दिग्गज कलाकारों ने भी अपने दमदार अभिनय से कहानी को मजबूती दी है। वहीं फिल्म के गाने, खासकर 'आई लव माय इंडिया' जिसमें लंदन की गलियों में भारतीय तिरंगा लहरता दिखाता है, दर्शकों को खूब भावुक कर रहा है। समीक्षकों और दर्शकों का कहना



है कि 'हीर एक्सप्रेस' आज के दौर में बनी एक बेहतरीन पारिवारिक फिल्म है, सिचुएशंस साफ होंगी, पर कई बड़ी रिलीज़ के बीच 'हीर एक्सप्रेस' अपने कटेरट और वर्ड ऑफ़ माउथ से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाती दिख रही है।

बोल ब्यूटीफुल

कादंबिनी शर्मा: अमेरिका के झलस में एक भारतीय की उनकी पत्नी और बेटे के सामने निर्मल हत्या कर दी गई। पूरी कोशिश के बाद भी वे उन्हें बचा नहीं पाए। मदद को कोई आगे नहीं आया, लेकिन इस हत्या से वहां पर पैसा तुलान नहीं दिखा जैसा फर्स्ट वर्ल्ड, लोकतंत्र, बराबरी, मानवाधिकार के झंडे बुलंद करने वाले सभ्य समाज ने दिखना चाहिए।

सुमित नागल: शानदार साझा प्रयासों से भारतीय टीम ने डेविस कप में जीत हासिल की। यूएन की धरती पर 32 साल बाद मिली यह जीत इतनी खास है कि उसे शब्दों में बयान करना मुश्किल है।

जीएसटी चोरी से सरकार को करोड़ों का नुकसान

अर्थ प्रकाश/रोहित शर्मा

ऊना। ऊना क्षेत्र में निर्माण कार्यों की रफ्तार तेज है और इसी बीच बड़ा घोटाला सामने आ रहा है?। सुर्गों के अनुसार कई कारोबारी और ठेकेदार आपसी मिलीभगत से गाड़ियों में सरिया, मार्बल,सीमेंट और लोहे का सामान अवैध तरीके से छे रहे हैं।

कागजात में कम माल दिखाकर, असलियत में उससे कई गुनादा माल मरा जाता है। इस तरह न केवल जीएसटी की भारी चोरी हो रही है बल्कि सरकार को करोड़ों का राजस्व घाटा पहुँच रहा है।

कारोबारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत से सरिया-सीमेंट की अवैध दुलाई

कैसे हो रहा खेल ?

→ टक व पिकअप गाड़ियों में निर्धारित मात्रा से कहीं ज्यादा सरिया- सीमेंट मार्बल मरा जाता है।

→ जीएसटी रिलफ पर कम माल दर्ज करके टैक्स चोरी की जाती है?।

→ कई बार एक ही ई बे बिल से 2-3 गाड़ियों तक माल भेज दिया जाता है?।

→ रात के समय व सुनसान रास्तों का इस्तेमाल कर विभागीय जांच से बचने की कोशिश होती है।

स्थानीय लोगों की चिंता

स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि इस तरह की गतिविधियों से ईगनदारी से व्यापार करने वाले लोग बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। गिन व्यापारी और ठेकेदारों ने सरकार को टैक्स चुकाने के नियमों का पालन किया है, उनके कारोबार पर असर पड़ता है।

सरकार को राजस्व का नुकसान

जानकारों का अनुमान है कि इस अवैध कारोबार से सरकार को हर महीने लाखों से करोड़ों तक का नुकसान हो रहा है। अगर यह सिलसिला यू ही चलता रहा तो आने वाले समय में प्रदेश की विकास योजनाओं पर भी इसका असर पड़ सकता है।

EXCLUSIVE

विभागीय कार्रवाई कब ?

लोगों ने मांग की है कि संबंधित विभाग जल्द से जल्द जांच अभियान चलाए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करे। अगर समय रहते सख्ती नहीं की गई, तो यह गोरखधंधा और भी बड़ा रूप ले सकता है।

ई वे बिल पर हमारी नजर, होगी सख्ती कार्रवाई

विनोद कश्यप ने कहा कि मीडिया ने मामला ध्यान में लाया गया है। अगर ऐसा हो रहा है तो सख्त कार्रवाई करेंगे। ई वे बिल पर हमारी नजर है। चेकिंग हमारी टीमें कर रही आजकल हमारा अभियान भी चला हुआ है। जो भी व्यापारी ऐसा काम करता है उस पर सख्त कार्रवाई करेंगे हमने पूरे सेंट्रल जोन जिसमें ऊना बंदी, बिलासपुर, मंडी में अभियान में 5 करोड़ से ऊपर का जुर्माना किया है ।

शैलेन्द्र कुमार, एसडीएम, पंचकूला

केंद्रीय राज्यमंत्री पहुंचे कुल्लू, एनएच- 03 एवं 305 समेत अन्य बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का लिया जायजा, दिए दिशा-निर्देश

बेहतरीन तकनीक और पहले से भी सुरक्षित होंगे राष्ट्रीय राजमार्ग

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

कुल्लू 15 सितंबर। केंद्रीय राज्य सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री अजय टम्टा ने आज कुल्लू पहुंचकर आपदा से क्षतिग्रस्त जिया, हूरूड्ड, रायसन, बिन्दु ढाक आदि क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने इस अवसर पर भारी वर्षा के कारण हुए नुकसान प्रभावित लोगों से मुलाकात भी की।

इसके उपरान्त केंद्रीय मंत्री ने कॉन्फ्रेंस हाल कुल्लू में प्रशासन व संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की। बैठक में एनएचएआई, बीआरओ प्रोजेक्ट दीपक, (सड़क यातायात एवं राजमार्ग) मोर्थ पीआईयू द्वारा पीपीटी के माध्य से प्रदेश में हाल में आई आपदा से सभी राजमार्गों को हुए नुकसान का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया गया।

बैठक में जानकारी दी गई कि राष्ट्रीय राजमार्ग को बहाल करने का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है तथा कीरतपुर से मनाली के मध्य दो सौ की संख्या में मशीनरी रात- दिन बहाली का कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि भारी वर्षा से कई स्थानों पर सड़कों और रास्तों को नुकसान पहुंचा है, जबकि लोगों की निजी जमीन और मकान भी क्षतिग्रस्त हुए हैं।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने अधिकारियों को कहा कि प्रभावित इलाकों में हुए नुकसान का विस्तृत आंकलन की पूर्ण रिपोर्ट तैयार करें, ताकि राहत एवं



पुनर्वास तथा पुनर्निर्माण कार्यों को गति मिल सके।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि राजमार्ग में क्षतिग्रस्त सुरंगों की विशेषज्ञ एजेंसियों से विस्तृत अध्ययन के आधार पर इनको बेहतरीन तकनीक से सुरक्षित रूप से बहाल करने का कार्य करें।

इससे पूर्व केंद्रीय मंत्री ने भारी बारिश से क्षतिग्रस्त एनएच-305 का मौके पर जाकर नुकसान का जायजा भी लिया। उन्होंने से अधिकारियों से एनएच -305 के शीघ्र मरम्मत कार्यों के साथ-साथ इसके सतत्व से सुरक्षित सुदृष्टीकरण के निर्देश दिए, ताकि आने वाले समय में क्षेत्र की जनता

मदद के लिए केंद्र सरकार गंभीर : अखिलेश

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

कुल्लू 15 सितंबर : भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अखिलेश कपूर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय नेतृत्व का जताया आभार है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में हालिया प्राकृतिक आपदा के बीच केंद्र सरकार लगातार प्रदेश की जनता के साथ खड़ी है। आपदा की गंभीरता को देखते हुए केंद्र से लगातार उच्चस्तरीय दौरे किए जा रहे हैं। 2 दिन पहले ही भारत सरकार की केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर और श्री शान्तनु ठाकुर ने कुल्लू पहुंचकर आपदा प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का जायजा लिया और वहां के हालात पर केंद्र को विस्तृत रिपोर्ट सौंपी। इसके तुरंत बाद भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के राज्य मंत्री अजय टम्टा ने भी हिमाचल का विशेष दौरा कर राहत एवं बहाली कार्यों की गहन समीक्षा की।

भारतीय जनता पार्टी और हिमाचल की जनता ने इस संवेदनशील पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय नेतृत्व और केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा का हृदय से आभार व्यक्त किया है। भाजपा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने आपदा की इस घड़ी में हिमाचल की जनता को राहत प्रदान करने के लिए अब



तक 1500 करोड़ रुपये की विशेष सहायता राशि और 200 करोड़ रुपये अग्रिम एसडीआरएफ के रूप में जारी किए हैं। इतना ही नहीं, मोदी जी ने हिमाचल की गंभीर स्थिति को देखते हुए सात केंद्रीय मंत्रियों को प्रदेश भेजकर जनता का दुख-दर्द साझा करने की जो पहल की है, वह इस बात का प्रमाण है कि हिमाचल वास्तव में प्रधानमंत्री जी का दूसरा घर है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अखिलेश कपूर ने बताया कि केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा का यह दौरा इस बात का प्रतीक है कि केंद्र सरकार हिमाचल की हर समस्या को गंभीरता और संवेदनशीलता से ले रही है। कुल्लू में टम्टा जी ने जिला प्रशासन, एनएचएआई, बीआरओ, पीडब्ल्यूडी और अन्य विभागों की बैठक कर अधिकारियों को राहत और पुनर्वास



राज्यपाल ने चंबा उप-मंडल के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

राज्यपाल ने ग्राम पंचायत करियां में राष्ट्रीय उच्च मार्ग के भू-स्खलन प्रभावित स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने कलसूई तथा घरवाला में क्षतिग्रस्त राष्ट्रीय उच्च मार्ग और लोथल घार का भी जायजा लिया।

श्री शुक्ल ने घरवाला के समीप ऐतिहासिक धार्मिक स्थल त्रिलोचन महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख और समृद्धि की कामना की।

नराकास प्रोत्साहन सम्मान से नवाजा



अर्थ प्रकाश संवाददाता

निदेशक (कार्मिक), एसजेवीएन ने बताया कि राजभाषा हिन्दी के प्रयोग एवं प्रसार की सराहना के लिए इस सम्मान की स्थापना संपूर्ण भारत में गठित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों के लिए की गई है। इसके अंतर्गत संपूर्ण भारत में गठित नराकास द्वारा प्राप्त प्रविष्टियों का मूल्यांकन कर राजभाषा नीति के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य-निष्पादन संबंधी सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर किया गया है।

यह पुरस्कार अंशुली आर्या, सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय और अन्य गणमात्य व्यक्तियों के कर कमलों से श्री आशीष पंत, महाप्रबंधक(राजभाषा), एसजेवीएन-सह-सदस्य-सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, शिमला (कार्यालय-2) ने गांधी नगर, गुजरात में आयोजित एक समारोह के दौरान राजभाषा नीति के उत्कृष्ट कार्य कार्य-निष्पादन हेतु प्राप्त किया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति- एक आधिकारिक समिति है, जो भारत सरकार के विभिन्न कार्यालयों, सार्वजनिक उपक्रमों, बैंकों आदि में राजभाषा हिंदी के प्रगति और कार्यान्वयन की निगरानी और प्रोत्साहन हेतु गठित की जाती है।

न्यूज़ ब्रीफ

लोक कल्याण मेला 17 व 18 को एमसी कार्यालय ऊना में

ऊना (रोहित शर्मा)। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत 17 व 18 सितंबर को एक विशेष अभियान के अंतर्गत नगर निगम ऊना के कार्यालय सभागार में लोक कल्याण मेले का आयोजन किया जा रहा है।

नगर निगम ऊना के आयुक्त एवं एडीसी ऊना महेंद्र पाल गुर्जर ने जानकारी दी कि लोक कल्याण मेले का मुख्य मकसद पथ विक्रेताओं एवं स्ट्रीट वेंडर्स को वित्तीय सहायत उपलब्ध करवाना और उनको डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ना है। एडीसी ने बताया कि लोक कल्याण मेले के दौरान प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत नए आवेदनकर्ताओं का पंजीकरण, स्वीकृत ऋणों का वितरण, बैंक से लौटे आवेदन प्रक्रियाओं का पुनः संघालन, लॉन्च आवेदन स्वीकृति में सहायता, डिजिटल ऑनबोर्डिंग के माध्यम से लाभार्थियों का पंजीकरण किया जायेगा और एफएसएसआई के सहयोग से स्ट्रीट फूड वेंडर्स के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन भी किया जायेगा।

एसजेवीएन मुख्यालय में हिन्दी पखवाड़े का उद्घाटन

शिमला। भूपेन्द्र गुप्ता, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एसजेवीएन के मार्गनिर्देश ने आज कारपोरेट मुख्यालय, शिमला में हिन्दी पखवाड़े का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में अजय कुमार शर्मा, निदेशक (कार्मिक), एसजेवीएन मुख्यालय के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को हिन्दी पखवाड़े की बधाई दी और हिन्दी पखवाड़े की महत्ता पर प्रकाश डाला। निदेशक (कार्मिक) ने सभी कर्मचारियों से पखवाड़े के दौरान आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़ कर भाग लेने का भी आह्वान किया। इस अवसर पर शर्मा ने राजभाषा हिन्दी के प्रति अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि भाषा विचार अभिव्यक्ति का सरलतम माध्यम है। विविधता से सम्पन्न भारत में हिन्दी भाषा विभिन्न संस्कृतियों, समुदायों, संप्रदायों को जोड़ने का कार्य करती है। हिन्दी केवल एक भाषा नहीं। यह हमारी संस्कृति और सभ्यता की आत्मा है। दुनिया में हिंदी तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि हम ऐसी भाषा से जुड़े हैं, जो वैश्विक स्तर पर भी अपनी पहचान कायम कर रही है। हिन्दी पखवाड़े का आयोजन दिनांक 28 सितंबर, 2025 तक किया जाएगा, जिसमें एसजेवीएन कारपोरेट मुख्यालय सहित परियोजना कार्यालयों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मध्य हिन्दी को ब गवा देने एवं उनके मध्य हिन्दी के प्रति स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक की भावना को बढ़ावा देने की दृष्टि से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। कारपोरेट मुख्यालय में हिन्दी पखवा? के दौरान निगम मुख्यालय में शुद्ध शब्द लेखन, शुरुलेखन, काव्य-गोष्ठी तथा सुलेख आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक (भा सं), चंदीशेखर यादव सहित कारपोरेट मुख्यालय के विभिन्न विभागों/अनुभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित शुद्ध शब्द लेखन प्रतियोगिता में 60 अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने सड़क निर्माण के लिए 2.20 करोड़ की राशि स्वीकृत की: विवेक

अर्थ प्रकाश /अजय महन्तोत्रा

बिलासपुर। झंडूता विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस नेता एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव विवेक कुमार ने कहा है कि उन्होंने सोमवार को ग्राम पंचायत बड़गंव के री का दौरा किया। उन्होंने कहा कि री गांव के लोग लंबे समय से परेशानियां झेल रहे थे। बिना सड़? सुविधा के समस्या झेलनी पड़ रही थी।

उन्होंने कहा कि इस सड़? का सर्वे करवाया गया। मुख्यमंत्री सुखबिंद सिंह सुक्खू से भी बातचीत की गई और समस्या रखी। ताकि इस सड़? को लेकर बजट मुहैया करवाई जाए। जिसके चलते मुख्यमंत्री सुखबिंद सिंह सुक्खू द्वारा इस सड़? के लिए दो करोड़ 20 लाख की राशि स्वीकृत की गई है। अब इस गांव के



लोगों को जल्द ही बेहतर सड़? सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले री गांव में एक घटना

देना चाहते हैं। लेकिन री गांव के लोगों को समस्या झेलनी पड़ रही थी। विवेक कुमार ने कहा कि अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया गया है। ताकि यहां के लोगों को सड़? सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि री गांव के लोगों को बारिश के चलते समस्या हुई थी। उन्होंने कहा कि अब सरकार द्वारा दो करोड़ 20 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री सुखबिंद सिंह सुक्खू का आभार जताया है। उन्होंने कहा है कि क्षेत्र के लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास किए जाएंगे। ताकि लोगों को राहत मिल सके। मौके पर लोक निर्माण अधिशासी अभियंता राकेश शर्मा व सहायक अभियंता सचिन नाडा उपस्थित रहे।

सम्मान समारोह अनुराग ठाकुर ने पेशेवर कुश्ती अकादमियों की आवश्यकता पर दिया जोर

खेलेगा हिमाचल, खिलेगा हिमाचल : अनुराग सिंह ठाकुर

अर्थ प्रकाश/शिल्पा शर्मा

हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने आज में छिंज (कुश्ती) कमेटियों के जिला स्तरीय सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा द्वारा हमीरपुर जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम की संयोजक भोरज की पूर्व विधायिका कमलेश कुमारी थीं।

समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अनुराग सिंह ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश में पारंपरिक कुश्ती की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में छिंज कमेटियों की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रखकर उनके बीच एक स्वस्थ और अनुशासित जीवनशैली को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों की विशेष रूप



से सराहना की। हालांकि, उन्होंने स्थानीय कुश्ती को पेशेवर स्तर तक बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह सराहनीय है कि पिछले अनेक वर्षों में छिंज कमेटियों द्वारा विभिन्न कुश्ती प्रतियोगिताओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया है, लेकिन उनके विकेंद्रीकृत स्वरूप ने स्थानीय पहलवानों के लिए प्रतिस्पर्धा करने और उच्च स्तर पर

प्राप्त करवा सकते हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि अन्य राज्यों से पहलवानों को लाना अवैधनीय नहीं है, लेकिन स्थानीय प्रतिभाओं को व्यवस्थित प्रशिक्षण और अवसर प्रदान करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने हमीरपुर जिले में कम से कम दो पेशेवर कुश्ती अकादमियों की स्थापना का प्रस्ताव रखा, जिनका प्रबंधन कुश्ती समितियों द्वारा सामूहिक रूप से किया जाएगा और जो राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त होंगी। उन्होंने इस पहल के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया, जिसमें राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षकों की व्यवस्था और स्थानीय प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण के अवसर शामिल हैं, जो उनकी ओर से नि:शुल्क प्रदान किए जाएंगे, ताकि हिमाचली कुश्ती प्रतिभाओं को उभारा जा सके।

OFFICE OF MEDICAL SUPERINTENDENT N.S.C.B. ZONAL HOSPITAL MANDI DISTT MANDI HP 175001

E Mail Address=zonalhospitalmandi@gmail.com
Office Telephone No. 01905-222928
HFW-MND-MS-Tender/2025-27-I 5881-85 Dated-12 Sep,2025

TENDER NOTICE

Sealed tenders are hereby invited for the washing of Linen articles of Zonal Hospital Mandi for the year 2024-25. The tender should reach in this office on or before 27 Sep 2025 up to 11:00 AM along with Earnest Money of Rs. 25,000/- (Rs. Twenty-five thousand only) in the shape of Demand Draft / Fixed Deposit/ duly pledged in the name of the undersigned. Sealed cover should be bearing the words super scribed "WASHING OF LINEN TENDER OF ZONAL HOSPITAL MANDI" to be opened on same day 27 Sep 2025 (11:30 AM) in the presence of bidders or their representatives who may wish to remain present on the day. Tender received late or incomplete will not be accepted. In case the opening day is declared as holiday, tenders shall be opened on the next working day as per the above-mentioned time schedule. The Medical Superintendent ZH Mandi, reserves the right to postpone or cancel the tender process at any stage without assigning any reason.

Sr. Medical Superintendent
Zonal Hospital Mandi,
District Mandi (H.P.) 175001

R.O. No. 3028 /2025-2026

ऊर्जा मंत्री अनिल विज का कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज--“बहुत देर कर दी हुजूर आते-आते, पानी तो आकर चला भी गया”

कांग्रेस पार्टी को देश की प्रजातान्त्रिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं: विज

वक्फ बिल पर सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद, सम्पत्तियों का डाटा ऑनलाईन होने से होगा समाधान: विज

अब क्रिकेट के मैदान में भी पाकिस्तान को मारा: विज

अर्थ प्रकाश/रवि पाहुजा



दे रहे थे।

कांग्रेस ने सिमनेचर अभियान शुरू किया है, के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में श्री विज ने कहा कि “कांग्रेस पार्टी को देश की प्रजातान्त्रिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं है, तथा इनके कुछ लोगों में मूक सहमति हुई है कि तमाम प्रजातांत्रिक संस्थाओं को पेशान किया जाए। इंडी और सीबीआई की कार्यवाही पर कांग्रेस के नेता बोलते हैं और कोर्ट के फैसलों के ऊपर भी कांग्रेस के नेता बोलते हैं। वही, चुनाव आयोग की अपनी एक प्रक्रिया है, आयोग मतदाताओं का रवीजन करता है और इस दौरान गलतियां रह सकती है और रहती भी है जिसके लिए समय दिया जाता है, कि एक महीना के अंदर दुरुस्त करवाया जा सकता

है और गलत बनने पर कटवाया भी जा सकता है। फिर भी यदि तकलीफ है तो कांग्रेस को वोटें न मिलने की है और इस तकलीफ को कोई दूर नहीं कर सकता है”।

वक्फ बिल पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाने से किए गए इंकार के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में श्री विज ने माननीय सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद किया है और कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सबको मानना चाहिए। इस बारे में सम्पत्तियों का पंजीकरण एक पोर्टल के माध्यम से हो रहा है जिससे बहुत समस्या का समाधान हो जाएगा तथा यह भी पता चल पाएगा कि किस-किस समय पर किस-किस के पास कौन-कौन सी सम्पत्तियां है और कब से है। यह डाटा ऑनलाईन होने से काम

बिजली डिफ़्टरों की बकया राशि की रिकवरी के लिए जल्द ही ऊर्जा विभाग के अधिकारियों की हेमो बैठक: हरियाणा के ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि बिजली डिफ़्टरों की बकया राशि की रिकवरी के लिए जल्द ही ऊर्जा विभाग के अधिकारियों की एक बैठक आयोजित की जाएगी जिसमें संबंधित अधीक्षक अभियंताओं से रिकवरी के संबंध में रिपोर्ट ली जाएगी। श्री विज आज यहां चण्डीगढ़ में मीडिया कर्मियों द्वारा ऊर्जा विभाग की बकया राशि 7700 करोड़ की रिकवरी के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि बिजली डिफ़्टरों का यह अथ्य जब उनके सामने आया तो उसी समय ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की एक बैठक ली गई थी, जिसमें प्रत्येक जिले की रिकवरी के बारे में जानकारी के तहत संबंधित अधिकारियों को लक्ष्य दिया गया था। उन्होंने कहा कि अब अमुक अधिकारियों की रैंकिंग भी रिकवरी के अनुसार तय की जाएगी। श्री विज ने बताया कि इस बारे में जल्द ही अधिकारियों की बैठक ली जाएगी और रिकवरी के संबंध में रिपोर्ट ली जाएगी। ऐसा पखवाड़ के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में श्री विज ने कहा कि अंबाला में सेवा पखवाड़ के तहत कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और अंबाला के चार मण्डलों के अंतर्गत एक-एक रक्तदान शिविर लगाया जाएगा, जिसमें 75-75 लोग रक्तदान करेंगे।

स्वदेशी संकल्प यात्राएं 21 को निकाली जाएंगी: चावला

अर्थ प्रकाश/शैलेंद्र जैन

करनाल, 15 सितंबर। स्वदेशी और उद्यमिता की भावना को जन जन तक ले जाने के लिए स्वदेशी जागरण मंच द्वारा करनाल जिले में स्वदेशी संकल्प यात्राएं निकाली जाएंगी। इसके लिए तैमारियां जोरों पर चल रही हैं। इसका आगाज 17 सितंबर को इंद्री से होगी। उसके बाद घरौंडा, करनाल इंद्री असंध नीसिंग नीलोखेड़ी तरावड़ी में स्वदेशी संकल्प यात्राएं निकाली जाएंगी। यह स्वदेशी स्वदेशी जागरण मंच के पालकों के राष्ट्रीय पालक सतीश चवला और प्रदेश संयोजक सुरेश पुरी ने दी। उन्होंने बताया कि स्वदेशी सुरक्षा और उद्यमिता अभियान पिछले तीन माह से पूरे देश भर में चल रहा है। इस अभियान के तहत करनाल जिले में लाखों लोगों तक इस अभियान को



पहुंचाया जा चुका है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से दैनिक जीवन में स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग तथा युवाओं को नौकरी देने वाला बनाने का संदेश दिया है। इस संदेश को जन जन तक पहुंचाना ही इस यात्रा का उद्देश्य है। उन्होंने बताया है कि इंद्री में 17 सितंबर को शहीद ऊधम सिंह चौक से यात्रा शुरू होगी। उन्होंने बताया कि देश भर में स्वदेशी मेले भी लगाए जाएंगे। करनाल में भव्य ढांग से मेला लगाया जाएगा। इसमें स्वदेशी और लोकल फोर वोकल

की भावना को बढ़ाया जाएगा। इन मेलों में लोकल कंपनियों को एक्सपोजर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्वदेशी की भावना देश को मजबूत करेगी। उन्होंने बताया कि अपने देश को मजबूत करने और आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वदेशी सुरक्षा और उद्यमिता विकास की भावना को घर घर तक ले जाना जरूरी है। उन्होंने बताया कि इस अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप दिया जा रहा है। इस अवसर पर श्रुति काम्बोज, सुरेंद्र गोयल, आदि मौजूद थे।

पाइंट में मनाया इंजीनियर्स डे, नवाचार का महत्व बताया प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुख्य अमियंता ने किया मार्गदर्शन

अर्थ प्रकाश/मनदीप कुमार

समालाखा, 15 सितंबर। सतत विकास के लिए आवश्यक है कि हम नवाचार करें। इसके साथ ही पर्यावरण की भी देखभाल करें। हमारे युवा इंजीनियर देश को बदल रहे हैं। देश उनकी बदौलत तरक्की की राह पर है। यह बात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से मुख्य पर्यावरण अभियंता भूपिंदर सिंह रिन्वा ने कही। वह यहां पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नॉलोजी (पाइंट) में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। पाइंट में द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स हरियाणा स्टेट सेंटर के सहयोग से इंजीनियर्स डे मनाया गया। भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के उपलक्ष्य में इंजीनियर्स डे मनाया जाता है। एनआईटी कुरुक्षेत्र से सीएसई



विभाग के प्रोफेसर जितेंद्र खबड़ा ने डीप टेक एंड इंजीनियरिंग एक्सप्लेंस ड्राइविंग इंडिया टेकाडे विषय पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि डीप टेक से भारत तरक्की करेगा। भारतीय युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है। भारत अगले दशक तक डीप टेक और इंजीनियरिंग की उच्छृंखला के बल पर वैश्विक नेतृत्व को आगे बढ़ाएगा। इस अवसर पर चेयरमैन हरिओम तायल, सचिव सुरेश तायल, बोर्ड सदस्य शुभम तायल,

निदेशक डॉ.शक्ति कुमार, डीन डॉ.जेएस सैनी, ईसीई विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनोज अरोड़ा, कन्वीनर डॉ. पूतम जागलान, आइडआइ कार्डिसल चेयरमैन आरएस मलिक, सचिव गौरव भाटिया, सदस्य सदस्य केसी सेठी ने छात्रों का मार्गदर्शन किया। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिता भी कराई गई। पोस्टर प्रेजेंटेशन में थिंक्स टीम प्रथम रही। मॉडल डिस्प्ले में एग्री-टेकजी टीम विजेता रही।

युवक की पीट-पीटकर हत्या मामले में और पांच आरोपी गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश/सुभाष जैन

पानीपत, 15 सितंबर। रैकला गांव में 21 वर्षीय मोहित की बंधक बनाकर पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में थाना सदर पुलिस ने और पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें रिकू (बतरा कॉलोनी) व सुमित (दिवान नगर कच्चा कैप) को रविवार को तथा विक्रम उर्फ विकी (दिवान नगर कच्चा कैप), गगन (डिमाना) और वरुण (मुखिजा कॉलोनी) को सोमवार शाम पकड़ गया।

डीएसपी राजबीर सिंह ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने पहले से गिरफ्तार सुरेश, सौरभ उर्फ धोला, जतिन उर्फ चीता और राहुल उर्फ काला सहित कई साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देने की बात कबूल की है। रविवार को गिरफ्तार रिकू व सुमित को अदालत ने दो दिन के रिमांड पर भेजा है, जबकि तीनों अन्य आरोपियों को मंगलवार को पेश किया जाएगा।

न्यूज़ ब्रीफ

समाजसेवी श्री बैशाखी राम का मरणोपरांत किया नेत्रदान

कैथल (अप्रस/विनीत गर्ग)। जाने-माने समाजसेवी श्री बैशाखी राम गर्ग (बालू वाले) के पिछले साह्र हए निधन के बाद, श्री नर नारायण सेवा समिति की प्रेरणा से उनके परिवार ने नेत्रदान जैसा महान कार्य कर समाज में एक नई मिसाल कायम की है। गर्ग की अंतिम इच्छा का सम्मान करते हुए, उनके परिवार ने नेत्रदान किया, जिससे दो जरूरतमंद व्यक्तियों के जीवन में रोशनी आई है। गर्ग की धर्मपत्नी संतोष रानी और उनके बेटों सुनील गर्ग, मुकेश गर्ग और अनिल गर्ग ने दुःख की इस घड़ी में साहस का परिचय दिया। इस पुनीत कार्य को संपन्न कराने में समिति के सदस्य राजेश गर्ग, रमेश, विजय और राजकुमार मित्तल के साथ-साथ डॉ. दीपक गर्ग ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया। उनकी मदद से नेत्रदान की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हुई। इस अवसर पर, श्री नर नारायण सेवा समिति के प्रतिनिधि राजेश गर्ग ने कहा, “यह परिवार की महानता और साहस का प्रतीक है। बैशाखी राम जी जीवन भर समाज की सेवा करते रहे, और निधन के बाद भी उन्होंने समाज को एक बड़ा दान दिया। हम इस प्रेरणादायक कदम के लिए परिवार के आभारी हैं।” यह घटना समाज में नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक मजबूत संदेश देती है।

यहाँ आपकी खबर का सक्षिप्त संस्करण प्रस्तुत है-

हिंदी दिवस पर ‘प्रौद्योगिकी में हिंदी भाषा’ विषय पर व्याख्यान



पानीपत (अप्रस/सुभाष जैन)। आर्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हिंदी साहित्य परिषद द्वारा हिंदी दिवस पर ‘प्रौद्योगिकी में हिंदी भाषा’ विषयक व्याख्यान का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता पं. चिंरंजीलाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय करनाल के एसोसिएट प्रो. डॉ. सुनील दत्त रहे। प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता ने कहा कि हिंदी हमारी एकता और संस्कृति की पहचान है। डॉ. सुनील दत्त ने अपने संबोधन में बताया कि हिंदी भाषा का विकास निरंतर हो रहा है और यह बाजार, सिनेमा, सूचना, दूरदर्शन व अनुवाद प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से अन्य भाषाओं को अपनाने के साथ मातृभाषा से जुड़े रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शालिनी और छात्रा दिया ने किया। अंत में संयोजक विजय सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया और प्रतियोगिता विजेताओं को सम्मानित किया गया।

आरएमपी एसोसिएशन ने गुरदासपुर में लगाया चिकित्सा शिविर



कुरुक्षेत्र (अप्रस/अर्पण कवचा)। आरएमपी एसोसिएशन कुरुक्षेत्र ने पंजाब बाइग्रसट पीडितों के लिए गुरदासपुर में निशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया। प्रधान डा. जसवंत ने बताया कि शिविर के दौरान बड़ से प्रभावित लोगों को तत्काल चिकित्सा देखभाल और उपचार प्रदान किया गया। लोगों को दवाओं का निशुल्क वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि विपदा की इस घड़ी में जहां सामाजिक संस्थाएं व हरियाणा सरकार बाढ़ पीडितों की हर संभव मदद कर रही है वहीं इसी कड़ी में आरएमपी एसोसिएशन कुरुक्षेत्र ने गुरदासपुर में चिकित्सा शिविर लगाकर बाढ़ प्रभावित लोगों को चिकित्सा सुविधा दी। उन्होंने बताया कि आरपीएम एसोसिएशन इस प्रकार के समाज भावई के कार्य में सदैव बढ़ चढ़कर भाग लेती है। इस अवसर पर डॉ जसवंत, धर्मवीर राई हरियापुर, सत्यनारायण शर्मा, डेविट नाथ सिंह राठी, पवन खेरा, कश्मीर सिंह, महेंद्र सिंह, ओमप्रकाश मौजूद रहे।

श्री कृष्ण आर्युष विश्वविद्यालय में प्रो. सतीश वत्स प्रोक्टर नियुक्त

कुरुक्षेत्र (अप्रस/राजकुमार वालिया)। श्री कृष्ण आर्युष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान के आदेशानुसार रचना शिविर विभाग के अध्यक्ष प्रो. सतीश कुमार वत्स को विश्वविद्यालय का प्रोक्टर नियुक्त किया गया है। प्रो. वत्स अपनी नई जिम्मेदारी के तहत विश्वविद्यालय परिसर में अनुशासन व्यवस्था बनाए रखने, विद्यार्थियों से जुड़े मामलों में समन्वय स्थापित करने तथा प्रशासनिक कार्यों में सहयोग करेंगे। कुलपति ने प्रो. सतीश को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि उनके अनुभव और संगठनात्मक क्षमता से विश्वविद्यालय की अनुशासन प्रणाली और अधिक सुदृढ़ होगी। बतौर प्रोक्टर नियुक्ति होने पर प्रो. सतीश कुमार वत्स ने कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान और कुलसचिव प्रो. ब्रिजेंद्र सिंह तोमर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है, वह उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाएंगे। प्रो.सतीश की नियुक्ति पर संस्थान के सभी अधिकारियों एवं शिक्षकों ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

आचार्य लोकेश कज़ाकिस्तान में विश्व धार्मिक सम्मेलन में भारत का करेंगे तिनिधित्व

लेना चाहते हैं, और अब तक आवेदन नहीं किया है। तो उनके लिए राहत की खबर है। कि कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग हरियाणा के निर्देश अनुसार ऑन द स्पॉट दाखिला प्रक्रिया 15 सितंबर से 30 सितंबर तक आयोजित की जाएगी। इसमें रोजाना काउंसिलिंग होगी। इस प्रक्रिया में पुराने आवेदनों के साथ ही नए विद्यार्थियों को भी शामिल किया जाएगा, जिन्होंने अब तक आवेदन नहीं किया है। इस प्रक्रिया में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को रोजाना सुबह 9 बजे से 11 बजे तक आवेदन भरसका होगा, और दोपहर 12 बजे तक मेरिट कार्ड जमा किया जाएगी। उसके बाद मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी।

जिसमें शामिल विद्यार्थियों को उसी दिन आईटीआई में दाखिले के लिए अपने दस्तावेज सत्यापित करने होंगे। सोमवार को आईटीआई में रिक्त सीटों की सूची प्रदर्शित कर दी गई है।

अब तक प्रवेश से बंचित रहे अभ्यर्थी इस विशेष दाखिला प्रक्रिया के माध्यम से 30 सितंबर तक दाखिला ले सकते हैं। इस अवधि में प्रतिदिन काउंसिलिंग होगी। इस अवसर का लाभ वे अभ्यर्थी उठा सकते हैं। जिन्होंने अब तक आवेदन नहीं किया है। प्रधानाचार्य ने बताया कि सोनीपत आईटीआई में जिन व्यवसायों में रिक्त सीटें उपलब्ध हैं।

